पेज 03 में...
सादगी की शादी का 'सियासी बखेड़ा'

साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 01 जून से 07 जून 2026
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 12 में...
पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी

वर्ष : 02 अंक : 13 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए
www.shaharsatta.com

पेज 07 सौम्यता के प्रतीक विष्णु देव साय का सुशासन तिहार

हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों का उत्सव

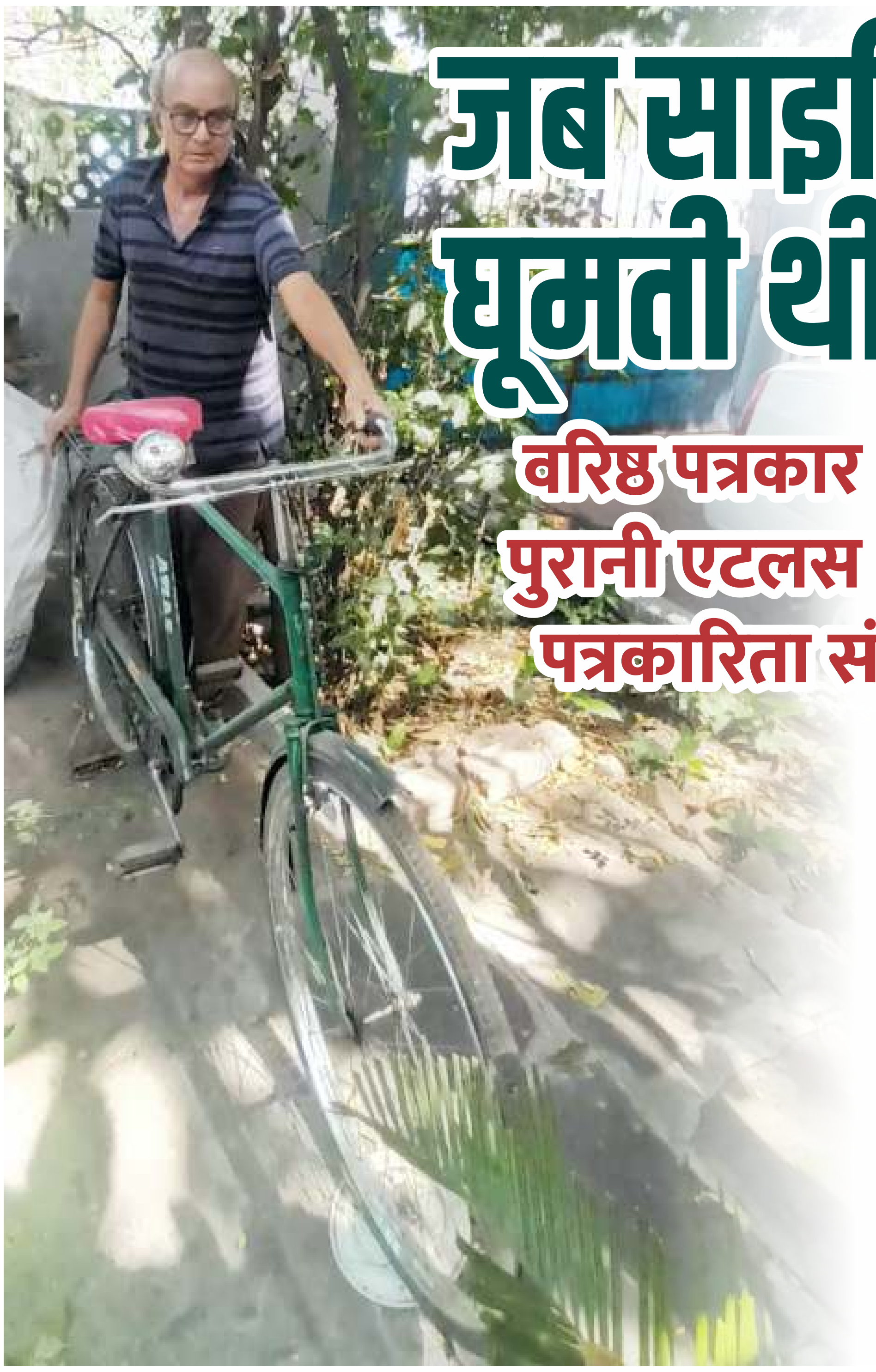

जब साइकिल के पहियों पर घूमती थी सच्ची पत्रकारिता

वरिष्ठ पत्रकार आसिफ इकबाल जी की 71 साल पुरानी एटलस साइकिल में आज भी सांस लेती है पत्रकारिता संघर्ष और एक दौर की पूरी कहानी

डॉ. कमलेश गोगिया/सुकांत राजपूत

एक साइकिल, एक कलम और सीमित संसाधन—वरिष्ठ पत्रकार श्री आसिफ इकबाल जी की यही सबसे बड़ी पूँजी थी। लगभग 71 साल पुरानी एटलस साइकिल आज भी उनके पास सहेज कर रखी गई है। सहेजकर भी इस तरह रखा गया है कि समय ने उस साइकिल के न तो रंग फीके किए हैं और न ही पहियों की चमक धुंधली पड़ी है। उसमें आज भी संघर्ष, जुनून और पत्रकारिता के स्वर्णिम दिनों की साँसें बसी हुई हैं। वह केवल लोहे का ढाँचा नहीं, बल्कि उन अनगिनत खबरों, धूल भरे रास्तों और सच की तलाश में तय किए गए हजारों किलोमीटर की जीवंत स्मृति है। इन्हीं स्मृतियों को जानने का प्रयास शहर की सत्ता ने आसिफ इकबाल जी से विशेष साक्षात्कार में किया है। यह साक्षात्कार सिर्फ एक पत्रकार की यात्रा का नहीं, बल्कि दो युगों की पत्रकारिता का संवाद है—एक ओर धैर्य, संघर्ष और जनसरोकारों से भरी पत्रकारिता; दूसरी ओर त्वरित, प्रतिस्पर्धी और बाज़ारवादी समय की पत्रकारिता।

साइकिल में न तो कोई जंग लगा है और न ही किसी प्रकार की धूल, 71 साल पुरानी एटलस की यह साइकिल सन् 1955 में उन्हें पांचवी कक्षा में टॉप में आने पर बतौर उपहार उनके पिता ने दी थी। वे बताते हैं कि इसी साइकिल के सहारे उन्होंने आठवीं, दसवीं और बारहवीं और फिर बीएससी तक की शिक्षा अर्जित की। उन्होंने पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में एम.ए. करने के साथ ही, बी.जे. पीजी डिप्लोमा इन साइकोलॉजिकल गाइडेंस एंड काउन्सलिंग तथा भारतीय जनसंचार संस्थान नई दिल्ली से खेल पत्रकारिता एवं ग्रामीण पत्रकारिता पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम भी किया है। यह साइकिल उनकी शिक्षा और संघर्ष की मूक साथी बनी रही। इतना ही नहीं, इसी साइकिल पर सवार होकर उन्होंने सोलह-सत्रह वर्षों तक पत्रकारिता का दायित्व भी निभाया।

वरिष्ठ पत्रकार आसिफ इकबाल जी सप्रेम आग्रह और मनुहार के बाद अपनी साइकिल से की गई पत्रकारिता की स्मृतियों के पन्ने सहज रूप से खोलने को राज़ी हुए। हमें इसलिए भी जानना था क्योंकि वे किस्से केवल यादें नहीं थे, बल्कि संघर्ष, अभाव और पत्रकारिता के उस दौर की धड़कनें थीं। जब बातचीत शुरू हुई, तो लगा जैसे 1971 का पूरा दौर सामने जीवित हो उठा। उनके आंगन में खड़ी उनकी पुरानी साइकिल उस बातचीत की सबसे बड़ी गवाह थी—जिसे उन्होंने आज भी उतनी ही सावधानी से संभाल रखा है, जैसे कोई अपनी सबसे प्रिय स्मृति को सँभालता है। साइकिल मजबूत कवर के साथ ढांक कर रखी गई थी जिससे धूल, बारिश व धूल से बचाव हो सके। जैसे ही वर्षों से सँभालकर रखी साइकिल का आवरण उठा, उनके चेहरे पर मुस्कान खिल गई। आँखों में अतीत की पूरी कहानी उतर आई, पढ़ाई के बीते दिन, पत्रकारिता की भागदौड़ और संघर्ष से भरे वे रास्ते, जिन्हें कभी इसी साइकिल के पहियों ने नापा था।

अनगिनत घटनाओं की साक्षी है साइकिल

आज सरपट भागता इंटरनेट, डिजिटल प्लेटफार्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की इस नई दुनिया में खबरें दौड़ती नहीं, उड़ती हैं। कोई भी घटना एक क्लिक में ब्रेकिंग न्यूज बन जाती है और कुछ ही घंटों में नई खबरों की भीड़ में कहीं खो भी जाती है। लेकिन उस दौर में टीआरपी और ग्लैमर की अंधी दौड़ नहीं थी, खबरें पैरों की थकान, धूल भरी सड़कों, जेब में रखी छोटी डायरी और सच के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के सहारे पाठकों तक पहुँचती थीं। तब खबरों की आत्मा भी उतनी ही जीवित हुआ करती थीं। श्री इकबाल जी की साइकिल के पैडल और पहिये अनगिनत घटनाओं के साक्षी हैं, जहाँ अभाव था, लेकिन हौसलों की गति कभी थमी नहीं। उनके हौसलों छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता को समृद्ध करने में दिये गये उनके योगदान को शहर की सत्ता नमन करता है।

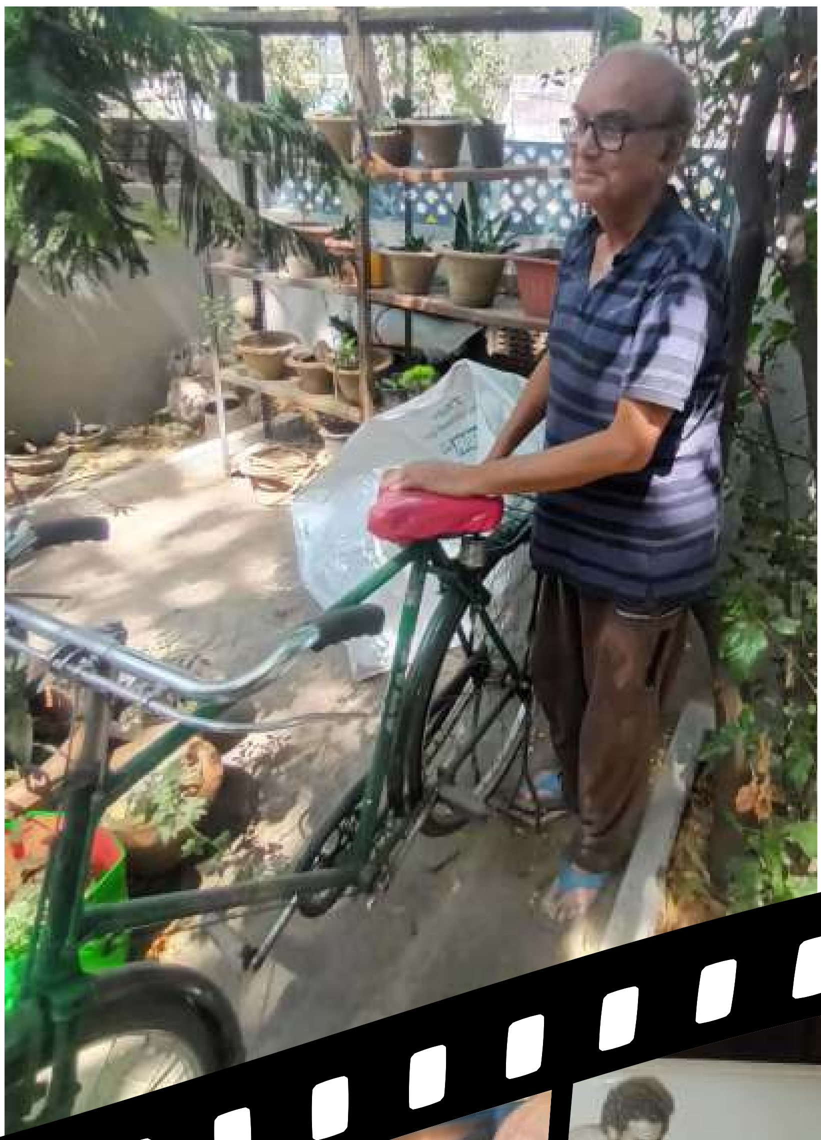

पत्रकारीय सफरनामा

उनकी पत्रकारिता की शुरुआत बतौर ट्रेनी जर्नलिस्ट देशबंधु (1971) से हुई। वहाँ उनके पहले गुरू बने सत्येंद्र गुमाश्ता जी जिन्होंने उनके लेखन को विस्तार दिया और फिर ललित सुरजन जी जिन्होंने सिटी-रिपोर्टिंग के मूल मंत्र से जोड़ा। देशबंधु के बाद हितवाद (अंग्रेजी) में रम्मू श्रीवास्तव जी का गुरुत्व मिला। आसिफ जी ने अनेक समाचार पत्रों मे सेवाएं दीं। दैनिक महाकौशल रायपुर, युगधर्म (रायपुर), सबेरा संकेत (राजनांदगांव) अमर किरण (दुर्ग), अमृत संदेश (रायपुर), प्रखर समाचार (धमतरी, रायपुर), दै. लोकमत समाचार (औरंगाबाद), दै. संदेशबंधु टाइम्स रायपुर, दैनिक भास्कर (रायपुर, भोपाल, कोरबा) में सह संपादक, चीफ रिपोर्टर, समाचार संपादक, प्रोवींसियल को-ऑर्डिनेटर, संपादक के पद पर उन्होंने कार्य किया। वे रायपुर प्रेस क्लब के निर्विरोध महासिचव (1980-90) भी रहे। छत्तीसगढ़ महाविद्यालय में वे मनोविज्ञान के व्याख्याता (1967-77) एवं महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय रायपुर में वे पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष (1997-2002) भी रहे।

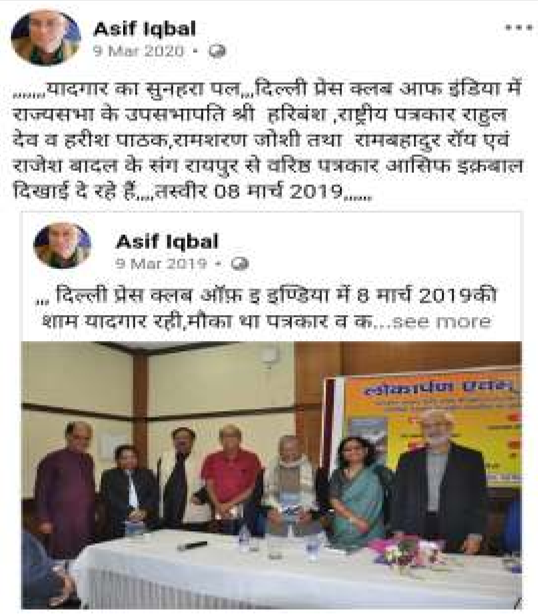

Asif Iqbal
9 Mar 2020 •

......यादगार का सुनहरा पल,,,दिल्ली प्रेस क्लब आफ इंडिया में राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश ,राष्ट्रीय पत्रकार राहुल देव व हरीश पाठक,रामशरण जोशी तथा रामबहादुर रॉय एवं राजेश बादल के संग रायपुर से वरिष्ठ पत्रकार आसिफ इक़बाल दिखाई दे रहे हैं,,,,तस्वीर 08 मार्च 2019......

Asif Iqbal
9 Mar 2019 •

,,, दिल्ली प्रेस क्लब ऑफ़ इ इण्डिया में 8 मार्च 2019की शाम यादगार रही,मौका था पत्रकार व क...see more

भारत ज्ञान विज्ञान समिति
नगर निगम परिक्षेत्र दुर्ग
कुशल प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर

सच व समय का दस्तावेज

आसिफ इकबाल जी की पत्रकारिता पर लिखने की हिमाकत करना हमारे लिए सूरज को दिया दिखाने जैसा ही है। अपनी प्रसिद्ध कृति 'सच व समय का दस्तावेज' में उन्होंने अपने पत्रकारीय जीवन के अनुभवों को पूरी गहनता के साथ सुंदर ढंग से संजोया है।

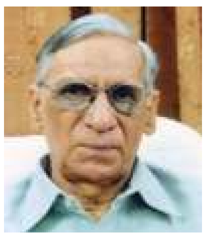

स्व. रमेश नैयर जी

इस पुस्तक की भूमिका में छत्तीसगढ़ व देश के प्रसिद्ध पत्रकार रहे **स्व. रमेश नैयर जी** ने लिखा है, "इनकी (आसिफ जी की) पत्रकारिता बहुआयामी है, राजनीतिक विश्लेषण, महत्वपूर्ण घटनाओं की स्थल रिपोर्टिंग, विभिन्न क्षेत्रों की नामचीन हस्तियों से लेकर सामान्यजन के साक्षात्कार, समय और समाज पर अपनी छाप छोड़ने वाले व्यक्तियों, समूहों तथा संगठनों की संवेदना से लबरेज पड़ताल, उन सब पर पैनी नजर जो खबर बनते और बनाते हैं।"

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

हरिभूमि/आईएनएच के प्रबंध संपादक **डॉ. हिमांशु द्विवेदी** लिखते हैं, "लिखे का बहुतायत में होना अक्सर उसकी सोद्देश्यता और क्वालिटी को प्रभावित करता है, परंतु आसिफजी इसके अपवाद हैं। उनके लेखन पर अगर नजर डालें तो एक बात बड़े ही स्पष्ट तौर पर जो उभरकर आती है, वह यह कि उनके लेखन की 'रेंज' बड़ी ही व्यापक है।" वर्ष 2009 में आसिफ जी ने सक्रिय पत्रकारिता से विश्राम लिया, लेकिन पत्रकारों और रायपुर प्रेस क्लब को उनका मार्गदर्शन आज भी मिलता रहता है।

'जल-जंगल-जमीन' पर दिल्ली की दस्तक

चरणदास महंत के पत्र पर राष्ट्रपति सचिवालय का एक्शन

FOREST RIGHTS ACT

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जंगलों और जलाशयों पर स्थानीय आदिवासियों के पारंपरिक अधिकारों की लड़ाई अब देश की सर्वोच्च चौखट तक पहुंच गई है। राज्य के वन क्षेत्रों में स्थित जलाशयों पर वनवासियों को मालिकाना हक दिलाने की मांग को लेकर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत द्वारा लिखे गए पत्र पर राष्ट्रपति सचिवालय ने संज्ञान लिया है। सचिवालय से आए इस जवाब के बाद छत्तीसगढ़ के सियासी और प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है, वहीं वन अधिकार कानून (FRA) के जमीनी क्रियान्वयन को लेकर विपक्ष ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत का सीधा आरोप है कि जल-जंगल-जमीन की बात करने वाली व्यवस्था में आज भी राज्य का आदिवासी अपने ही प्राकृतिक संसाधनों से बेदखल होकर 'मजदूर' बनने को विवश है।

जहां 'अधिकार' की जगह बंटा 'टेंडर'

मामले की गंभीरता को समझने के लिए छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थिति और नीतिगत विरोधाभास को देखना जरूरी है। डॉ. महंत के मुताबिक, छत्तीसगढ़ की वन भूमि के भीतर करीब 1.58 लाख हेक्टेयर का विशाल जलक्षेत्र (तालाब, नदी और नाले) मौजूद है। इस जलक्षेत्र से सीधे तौर पर 50 हजार से अधिक आदिवासी और पारंपरिक वन निवासी परिवारों की रोजाना की आजीविका और जिंदगी जुड़ी हुई है। विवाद की असली जड़ राज्य की मौजूदा मछली पालन नीति है। इस नीति के तहत 1000 हेक्टेयर से बड़े जलाशयों को स्थानीय सहकारी समितियों या आदिवासियों को सौंपने के बजाय टेंडर (ओपन बिडिंग) के जरिए बाहरी ठेकेदारों को अलॉट किया जा रहा है। नतीजा यह है कि जिस पानी पर सदियों से आदिवासियों का हक था, वहां अब वे बाहरी ठेकेदारों के अधीन मामूली दिहाड़ी पर काम करने वाले मजदूर बनकर रह गए हैं।

विधानसभा की 'स्वीकारोक्ति' के बाद राष्ट्रपति से गुहार

डॉ. महंत ने इस लड़ाई को सिलसिलेवार ढंग से आगे बढ़ाया है:

विधानसभा में सवाल: उन्होंने सबसे पहले मुख्यमंत्री को पत्र लिखा और फिर इस गंभीर विषय को विधानसभा के पटल पर उठाया।

सरकारी जवाब का सच: विधानसभा में सरकार की ओर से जो जवाब आया, उसने इस विफलता को सार्वजनिक कर दिया। सरकार ने माना कि वन अधिकार अधिनियम (FRA) की धारा 3(1)(घ) के तहत आदिवासियों को जलाशयों और मत्स्य पालन का जो सामुदायिक अधिकार मिलना चाहिए था, वह अब तक लागू नहीं किया गया है।

दिल्ली में हस्तक्षेप की मांग: राज्य स्तर पर कानूनी पेंच फंसता देख नेता प्रतिपक्ष ने सीधे देश की राष्ट्रपति को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की, जिस पर अब राष्ट्रपति कार्यालय ने अपनी प्रशासनिक मुहर लगाकर जवाब भेजा है।

क्या है धारा 3(1)(घ)?

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में लागू ऐतिहासिक वन अधिकार अधिनियम (2006) की यह धारा स्पष्ट रूप से वनवासियों और आदिवासियों को स्थानीय जलाशयों में मछली पकड़ने, जल संसाधनों का उपयोग करने और पारंपरिक सामुदायिक संपदा पर पूर्ण अधिकार देती है।

रायपुर एयरपोर्ट हादसा: सुरक्षा में चूक, ठेकेदार के खिलाफ FIR दर्ज

रायपुर। वीआईपी सुरक्षा और कड़े नियमों के लिए जाने जाने वाले रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के भीतर एक मजदूर की जान की कीमत कितनी सस्ती है, इसकी गवाही माना पुलिस की हालिया कार्रवाई दे रही है। एयरपोर्ट के भीतर 22 फीट की ऊंचाई पर काम करते समय नीचे गिरकर दम तोड़ने वाले इलेक्ट्रीशियन कुबेर चंद्र साहू (32) की मौत के पूरे 10 दिन बाद आखिरकार पुलिस ने एफआईआर (FIR) दर्ज कर ली है। तफ्तीश में यह साफ हो चुका है कि यह महज एक 'हादसा' नहीं था, बल्कि सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर एक गरीब मजदूर को मौत के मुंह में धकेलने का गंभीर आपराधिक मामला था। पुलिस ने इस मामले में 'मेसर्स जय इंटरप्राईजेस' के ठेकेदार को आरोपी बनाया है। हादसा रायपुर एयरपोर्ट के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले 'सिक्योरिटी होल्ड एरिया' के फर्स्ट फ्लोर पर हुआ था। धमतरी जिले के कुरूद (बिरेझर) का रहने वाला संविदा कर्मचारी कुबेर साहू जब फॉल्स सीलिंग की मरम्मत कर रहा था, तब वह अचानक नीचे आ गिरा। सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद अपनी साख बचाने के लिए एयरपोर्ट प्रबंधन ने इस पूरी लापरवाही पर पर्दा डालने की कोशिश की थी। प्रबंधन की ओर से शुरुआती बयान आया कि 'अत्यधिक गर्मी और चक्कर आने की वजह से' कर्मचारी नीचे गिरा था। लेकिन जब माना कैंप पुलिस ने मर्ग जांच शुरू की, तो प्रबंधन की यह दलील ताश के पत्तों की तरह ढह गई। पुलिस की मर्ग जांच में जो सच सामने आया, वह रोंगटे खड़े करने वाला है। 'मेसर्स जय इंटरप्राईजेस' के ठेकेदार ने कुबेर साहू को इतनी ऊंचाई पर काम करने के लिए भेजा, लेकिन उसे जिंदगी बचाने वाले बुनियादी सुरक्षा उपकरण (जैसे सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट या नीचे सेफ्टी नेट) तक उपलब्ध नहीं कराए थे।

फेसबुक फ्रेंडशिप से क्रिप्टोकरेंसी का झांसा, 16 लाख की बड़ी ठगी

CYBER FRAUD
BE AWARE, BE SAFE
CRYPTO CURRENCY
CYBER CRIME

कर्ज में डूबा महालेखाकार दफ्तर का अकाउंटेंट

रायपुर। साइबर अपराधियों ने अब लोगों के भरोसे और सोशल मीडिया के जरिए ठगी का एक नया और खतरनाक तरीका ढूंढ निकाला है। राजधानी रायपुर के विधानसभा थाना क्षेत्र में एक ऐसा ही दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां महालेखाकार (एजी) कार्यालय के एक अकाउंटेंट को क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर ₹16 लाख से अधिक का चूना लगा दिया गया। ठगों ने पहले फेसबुक पर 'हनी ट्रैप' (लड़की के नाम से फ्रेंड रिक्वेस्ट) का जाल बुना और फिर पीड़ित को एक ऐसे 'डिजिटल ट्रैप' में फंसाया, जिससे उसकी जिंदगी भर की कमाई तो गई ही, वह कर्ज के दलदल में भी धंस गया। इस मामले की सबसे दर्दनाक बात यह है कि पीड़ित की बेटी दिल की मरीज है और पत्नी का भी इलाज चल रहा है। इस पारिवारिक मजबूरी का फायदा उठाकर ठगों ने उसे कर्ज लेने पर मजबूर किया। सड्डू स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी पीड़ित शंकर बोस के मुताबिक, ठगी की शुरुआत 5 फरवरी 2026 को हुई, जब उनके फेसबुक अकाउंट पर 'काव्या चौधरी' नाम की एक युवती की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। चैटिंग के दौरान काव्या ने खुद को क्रिप्टोकरेंसी निवेश की बड़ी एक्सपर्ट बताया। उसने शंकर को भरोसा दिलाया कि अगर वह कम समय में अमीर बनना चाहते हैं, तो क्रिप्टोकरेंसी सबसे सुरक्षित और मुनाफेदार रास्ता है।

पीड़ित का भरोसा जीतने के बाद काव्या ने उसे व्हाट्सएप पर 'हर्षद करवा' नाम के एक अन्य ठग से जोड़ा। हर्षद ने शंकर को Nincoin.com नाम के एक ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाने को कहा। शुरुआत में शंकर से कुछ हजार रुपये निवेश कराए गए और फर्जी वेबसाइट के डैशबोर्ड पर भारी मुनाफा (वर्चुअल प्रॉफिट) दिखाया गया। इस नकली मुनाफे को सच मानकर पीड़ित ठगों के जाल में पूरी तरह फंस गया।

बहन से बात करने के शक में भाई का मर्डर

आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी का घर तोड़ा, गाड़ी फूंकी

मृतक तोषक भारती

रायपुर। राजधानी रायपुर के ग्रामीण इलाके मंदिर हसौद में एक खौफनाक हत्याकांड के बाद भारी बवाल और तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। उड़ियापारा पलौद में एक युवक तोषक भारती (25) की चाकू गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस वारदात को अंजाम देने वाला कोई पेशेवर अपराधी नहीं, बल्कि गांव का ही एक युवक और उसका नाबालिग साथी है। इस जघन्य हत्याकांड की खबर फैलते ही पूरे इलाके में आक्रोश फूट पड़ा। इंसाफ की मांग को लेकर उग्र हुए सैकड़ों ग्रामीणों ने आरोपियों के घर पर धावा बोल दिया, वहां जमकर तोड़फोड़ की और बाहर खड़ी एक गाड़ी को आग के हवाले कर दिया। स्थिति बिगड़ती देख मौके पर भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा।

'बातचीत' का शक और खूनी खेल

पुलिस की शुरुआती पूछताछ में जो वजह सामने आई है, वह हैरान करने वाली है। पकड़े गए आरोपियों में करण ध्रुव और एक विधि से संघर्षरत बालक (नाबालिग) शामिल हैं। पूछताछ में नाबालिग आरोपी ने कुबूल किया कि उसका मृतक तोषक भारती की बहन के साथ बातचीत करना तोषक को नागवार गुजरता था। तोषक दोनों पर शक करता था और इसी बात को लेकर उनके बीच पहले भी कई बार विवाद हो चुका था। 29 मई की रात करीब 9 बजे पलौद चौक पर पानी टंकी के पास जब तोषक मिला, तो इसी बात को लेकर एक बार फिर विवाद बढ़ गया। गुस्से में आकर करण और नाबालिग ने चाकू निकाला और तोषक पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। लहूलुहान तोषक को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कल्पवृक्ष रिसॉर्ट के भीतर चल रहा था हाई-प्रोफाइल जुए का अड्डा, पोकर-रमी टेबल्स के साथ क्लब सील

रायपुर में 'गोवा स्टाइल' का अंडरग्राउंड कैसीनो

KALPVRIKSH RESORT
KHOKHI JHEEM CLUB

रायपुर। भारत में कैसीनो की चकाचौंध और जुए के कानूनी शौक के लिए लोग गोवा, दमन या सिक्किम का रुख करते हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कानून की आंखों में धूल झोंककर 'गोवा और सिक्किम की तर्ज' पर एक आलीशान और अवैध कैसीनो साम्राज्य खड़ा किया जा रहा था। पुराने धमतरी रोड स्थित कोलार क्षेत्र के 'कल्पवृक्ष रिसॉर्ट' में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने आधी रात को छापा मारकर इस पूरे हाई-प्रोफाइल कैसीनो रैकेट का भंडाफोड़ किया है। रिसॉर्ट के भीतर चल रहे 'खोखी झीमखाना क्लब' की आड़ में रईसों और जुआरियों के लिए कैसीनो जैसी वीआईपी व्यवस्थाएं की गई थीं, जिसे अब प्रशासन ने पूरी तरह सील कर दिया है।

खुफिया इनपुट पर रेड

अभनपुर थाना क्षेत्र के कोलार में स्थित कल्पवृक्ष रिसॉर्ट में पिछले कुछ समय से संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। रायपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जब पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने अचानक धावा बोला, तो अंदर का नजारा किसी नामी कैसीनो जैसा था। अवैध रूप से संचालित इस क्लब के भीतर अंतरराष्ट्रीय स्तर के पोकर कार्ड टेबल्स, रमी गेमिंग जोन और जुए के लिए खास तौर पर डिजाइन की गई मेजें सजी हुई थीं। टेबल पर बड़ी संख्या में ताश की गड्डियां, चिप्स और जुए से जुड़ी अन्य सामग्रियां बिखरी पड़ी थीं। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में गेमिंग सामग्री जब्त की।

'क्लब' के नाम पर कैसीनो, संचालकों को कड़ा नोटिस

प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, क्लब की आड़ में कैसीनो जैसी अवैध गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था। छापेमारी के बाद पुलिस ने क्लब और रिसॉर्ट के संचालकों के खिलाफ शिकंजा कस दिया है। उन्हें नोटिस जारी कर तत्काल पूछताछ के लिए तलब किया गया है। पुलिस ने संचालकों से क्लब के संचालन, लाइसेंस, वैधानिक अनुमति और टैक्स से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज पेश करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

बाहरी राज्यों के सिंडिकेट की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

पुलिस अब इस बात की भी बारीकी से जांच कर रही है कि इस अवैध कैसीनो में दांव लगाने कौन-कौन से वीआईपी और रईस आते थे। अंदेशा जताया जा रहा है कि इस रैकेट के तार अन्य राज्यों के बड़े सटोरियों और कैसीनो ऑपरेटरों से जुड़े हो सकते हैं। अभनपुर पुलिस का कहना है कि दस्तावेजों की जांच और पूछताछ के बाद इस मामले में कई बड़े नामों का खुलासा हो सकता है।

साच पास की बर्फीली वादियों में बिखर गईं भिलाई के परिवार की खुशियां

500 मीटर गहरी खाई में समाईं 8 जिंदगीयां

भिलाई/चंबा। बर्फबारी का दीदार करने और गर्मियों की छुट्टियां मनाने का एक खूबसूरत सपना पल भर में चीख-पुकार में बदल गया। हिमाचल प्रदेश के दुर्गम चंबा जिले में हुए एक भीषण सड़क हादसे ने छत्तीसगढ़ के भिलाई और कर्नाटक के बेंगलुरु के दो परिवारों को हमेशा के लिए उजाड़ दिया। बैरागढ़-साच पास मार्ग पर पर्यटकों से भरी अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर करीब 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। इस दिल दहला देने वाले हादसे में भिलाई के एक ही परिवार के 4 सदस्यों समेत कुल 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनमें 2 मासूम बच्चे भी शामिल हैं।

मृतकों में भिलाई निवासी अरविंद चंद्राकर, उनकी पत्नी प्राची (पिंकी) और उनके दो बेटे दर्श व अक्षद शामिल हैं। अरविंद अपने परिवार के साथ बेंगलुरु में रहकर जॉब करते थे और वहीं से व्हाइटफील्ड निवासी अपने दोस्त पी.जी. कार्तिघायन के परिवार के साथ हिमाचल घूमने निकले थे। यह हादसा शुक्रवार रात का है, लेकिन दुनिया को इसकी भनक शनिवार दोपहर तक नहीं लगी। डलहौजी से निकली टैक्सी जब देर रात तक वापस नहीं लौटी, तो ट्रैवल एजेंसी के मालिक को अनहोनी की आशंका हुई। जब कार का जीपीएस (GPS) ट्रैक किया गया, तो उसकी लोकेशन चंबा के कालावन क्षेत्र के पास एक ही जगह पर स्थिर मिली। घने सन्नाटे और मोबाइल नेटवर्क विहीन इस इलाके में जब स्थानीय लोग पहुंचे, तब जाकर 500 मीटर नीचे खाई में दुर्घटनाग्रस्त कार का पता चला।

नेटवर्क गायब, खाई गहरी; जब इंसानी जज्बे ने बनाई 'ह्यूमन चेन'

हादसे की जगह इतनी खतरनाक और दुर्गम थी कि शनिवार को चाहकर भी शवों को निकाला नहीं जा सका। खड़ी पहाड़ियां, पथरीला रास्ता और खराब मौसम के बीच राहत दल असहाय नजर आ रहा था। ऊपर से मोबाइल नेटवर्क न होने के कारण प्रशासन से संपर्क करना भी दूभर था। आखिरकार रविवार सुबह रेस्क्यू टीम और स्थानीय ग्रामीणों ने मिलकर एक जांबाज मुहिम शुरू की। खाई की गहराई को मात देने के लिए लोगों ने एक-दूसरे का हाथ थामकर मील लंबी 'ह्यूमन चेन' बनाई। रस्सियों के सहारे अपनी जान जोखिम में डालकर बचाव दल नीचे उतरा और कई घंटों की मशक्कत के बाद एक-एक कर सभी 8 शवों को सड़क तक ऊपर लाया गया।

'सिम कार्ड' के विवाद में हेडमास्टर ने नाबालिग बेटे संग मिलकर किया पत्नी के प्रेमी का मर्डर

बिलासपुर (सकरी)। एक हेडमास्टर, जिसका काम बच्चों को सही राह दिखाना और समाज को गढ़ना है, वही जब अपने सगे नाबालिग बेटे को साथ लेकर किसी की बेरहमी से जान ले ले, तो यह समाज और रिश्तों के ताने-बाने पर गहरा सवाल खड़ा करता है। बिलासपुर के सकरी क्षेत्र में एक ऐसा ही रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया है। कवर्धा के एक सरकारी स्कूल में पदस्थ हेडमास्टर ने अपनी पत्नी के अवैध संबंधों से नाराज होकर, अपने ही नाबालिग बेटे के साथ मिलकर पत्नी के प्रेमी दावेंद्र बघेल (27) की मोबाइल चार्जिंग केबल और सुतली से गला घोंटकर हत्या कर दी। इस खूनी ड्रामे की सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि जब ऊपर कमरे में हत्या की स्क्रिप्ट लिखी जा रही थी, तब नीचे खुद आरोपी की पत्नी जान की भीख मांगते हुए थाने की तरफ दौड़ रही थी। पुलिस की तफ्तीश में सामने आया कि मुंगेली निवासी मृतक दावेंद्र बघेल कैटरिंग का काम करता था।

IGKV में सजी आमों की इंटरनेशनल बारात

रायपुर। अगर आप सोचते हैं कि आम सिर्फ पीला, मीठा और दशहरी या लंगड़ा ही होता है, तो राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (IGKV) परिसर में चल रहा 'नेशनल मैंगो फेस्टिवल' आपकी यह सोच बदल देगा। इन दिनों पूरा परिसर आमों की सोंधी खुशबू और सतरंगी रंगों से सराबोर है, जहां देश-विदेश की 250 से ज्यादा आम की किस्में 'कैटवॉक' कर रही हैं। यहां कोई सेब जैसा लाल आम देखकर हैरान है, तो कोई तरबूज के आकार के आम के साथ सेल्फी खिंचवा रहा है। यह सिर्फ एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि आम प्रेमियों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है।

जब अफगानिस्तान के 'आमीर गोल' में मिला अनानास का स्वाद

इस महोत्सव में दल्लीराजहरा के किसान बलजीत सिंह का स्टॉल कौतूहल का केंद्र बना हुआ है। वे अपने साथ अफगानिस्तान की दुर्लभ किस्म 'आमीर गोल' लेकर आए हैं। इस आम की खासियत यह है कि इसे खाने पर आम और अनानास (पाइनएप्पल) दोनों का मिक्स्ड फ्लेवर मिलता है। बिना रेशे वाले इस शानदार विदेशी आम को चखने के लिए लोग ₹120 किलो की दर से हाथों-हाथ खरीद रहे हैं।

सुर्खियां बटोर रहे 'खास मेहमान': ₹2 लाख का मियाजाकी और 6kg का महाबली

इंटरनेशनल स्टार्स: एक्सोटिक वैरायटी में जापान का चमकीला लाल 'मियाजाकी' आम छाया हुआ है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2 लाख रुपये प्रति किलो तक होती है। इसके अलावा अमेरिका का 'इर्विन', ऑस्ट्रेलिया का 'किंग्स्टन प्राइड' और हाथी के दांत जैसा दिखने वाला थाईलैंड का 'आइवरी' आम लोगों को लुभा रहा है। एक तरफ जहां 6 किलो वजनी 'हाथीझूल' और दुर्लभ 'नूरजहाँ' आम को देखकर लोग दांतों तले उंगली दबा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ बेहद छोटा और गोल मटोल 'लाल लड्डू' आम बच्चों और महिलाओं का पसंदीदा बना हुआ है। उत्तर प्रदेश के मलिहाबाद से आईं आम उत्पादक रिषिका गुप्ता जहां पूसा, दशहरी और चौसा की मिठास घोल रही हैं, वहीं प्रदर्शनी में कलुआ, करेलहा, सीपिया, पूट्टू और रामकेला जैसे मजेदार नामों वाले आम भी चर्चा में हैं।

धमतरी कंकाल कांड: जहां मौत के बाद का 'सुकून' भी बेच खाया रेत माफिया ने

10 कब्रें खुदीं तो जागा प्रशासन, अब लाशों पर सियासत

धमतरी/रायपुर। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले से इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने न सिर्फ कानून व्यवस्था बल्कि सामाजिक संवेदनाओं को भी झकझोर कर रख दिया है। महानदी के किनारे बसे खरेंगा गांव के श्मशान घाट को रेत माफिया ने इस कदर खोदा कि सदियों से चैन की नींद सो रहे पूर्वजों की कब्रें छिन्न-भिन्न हो गईं। अवैध रेत खनन के लिए की गई 6-7 फीट गहरी अंधाधुंध खुदाई के कारण 10 मानव कंकाल जमीन से बाहर आ गए। इस खौफनाक मंजर ने जहां ग्रामीणों को गहरे सदमे और आक्रोश में डाल दिया है, वहीं रायपुर के सियासी गलियारों में इस पर 'लाशों की राजनीति' और बयानों के तीर चलने शुरू हो गए हैं।

कंकाल निकले, पर उसी रात फिर गरजे माफिया के ट्रैक्टर

इस पूरे मामले में सबसे हैरान और परेशान करने वाली बात रेत माफिया की ढिठाई है। ग्रामीणों का आरोप है कि गुरुवार (28 मई) को श्मशान घाट से 10 कंकाल बाहर आने के बाद जब पूरा गांव सदमे में था और पुलिस-प्रशासन को सूचना दी जा चुकी थी, ठीक उसी रात माफिया के ट्रैक्टर फिर उसी श्मशान घाट पर रेत चुराने पहुंच गए। गांव के बुजुर्गों और महिलाओं की आंखें नम हैं। उनका कहना है, "प्रशासन ने कंकालों को दोबारा दफन तो कर दिया, लेकिन अब हमें यह भी नहीं पता कि हमारे किस परिजन के अवशेष कहां चले गए। अब तो इस इलाके में मौत के बाद भी सम्मान की उम्मीद टूट चुकी है।"

ग्रामीण व्यवस्था समिति के सचिव तामेश्वर साहू ने माफिया के एक बेहद खतरनाक पैटर्न का खुलासा किया है। माफिया गांव के ही 17-18 साल के लड़कों को चंद रुपयों का लालच देकर मजदूरी और बिना लाइसेंस के ट्रैक्टर चलाने के काम में झोंक रहे हैं। इसका नतीजा यह होता है कि जब ग्रामीण विरोध करने जाते हैं, तो सामने उनके अपने ही गांव के बच्चे खड़े मिलते हैं। इस मजबूरी का फायदा उठाकर असली मगरमच्छ पीछे छिपकर पूरी नदी को खोखला कर रहे हैं।

‘मन की बात’ में गूंजा छत्तीसगढ़ का गौरव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा धावक अनिमेष कुजूर की ऐतिहासिक उपलब्धि और मल्हार की सांस्कृतिक धरोहर का किया उल्लेख’

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और आमजनों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ की 134वीं कड़ी का श्रवण किया। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का ‘मन की बात’ छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का क्षण बन गया, क्योंकि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय मंच से प्रदेश की प्रतिभा और सांस्कृतिक धरोहर दोनों का उल्लेख कर पूरे छत्तीसगढ़ का सम्मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जब देश का सर्वोच्च नेतृत्व किसी राज्य की उपलब्धियों और प्रतिभाओं का उल्लेख करता है, तो वह केवल व्यक्तियों का सम्मान नहीं होता, बल्कि करोड़ों प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं, परिश्रम और पहचान को राष्ट्रीय प्रतिष्ठा मिलती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ‘मन की बात’ आज देश के सकारात्मक प्रयासों, नवाचारों, प्रतिभाओं और प्रेरक जीवन यात्राओं को राष्ट्रीय पहचान देने वाला एक सशक्त मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज जशपुर जिले के छोटे से गांव घुइटांगर से निकलकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले युवा धावक अनिमेष कुजूर की उपलब्धि का उल्लेख कर प्रदेश के युवाओं को यह संदेश दिया है कि सीमित संसाधन किसी प्रतिभा की उड़ान को रोक नहीं सकते, यदि उसके भीतर लक्ष्य के प्रति समर्पण और मेहनत का जुनून हो।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ‘मन की बात’ में अनिमेष कुजूर और गुरिंदरवीर सिंह की उपलब्धि को जिस आत्मीयता और प्रेरक शैली में प्रस्तुत किया, वह देश के युवाओं में नई ऊर्जा भरने वाला है। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान दोनों खिलाड़ियों से फोन पर संवाद करते हुए उल्लेख किया कि पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में महज दो दिनों के भीतर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा और इसे उन्होंने खेलों में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का अद्भुत उदाहरण बताया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह केवल रिकॉर्ड टूटने की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय युवाओं के आत्मविश्वास, अनुशासन और विश्वस्तरीय सोच की कहानी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा धावक अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर दौड़ मात्र 10.15 सेकंड में पूरी कर नया रिकॉर्ड स्थापित किया है।

संपादकीय

• सुकांत राजपूत

पत्रकारिता के बदलते आयाम

उदन्त मार्तण्ड' के पहले अंक से शुरू हुई हिंदी पत्रकारिता की यात्रा आज एक ऐसे मुकाम पर पहुँच चुकी है, जहाँ इसका विस्तार अभूतपूर्व है। स्वतंत्रता आंदोलन में जन-जागरण का मुख्य हथियार रही हिंदी पत्रकारिता आज करोड़ों लोगों की आवाज़ बन चुकी है। डिजिटल क्रांति के इस दौर में हिंदी समाचारों की पहुँच न केवल भारत के सुदूर गाँवों तक हुई है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी हिंदी पत्रकारिता ने अपनी एक खास पहचान बनाई है। लेकिन इस अभूतपूर्व विस्तार के बीच, पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों और इसकी साख पर कई गंभीर सवाल भी खड़े हो रहे हैं।

आज हिंदी पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी विश्वसनीयता को बनाए रखने की है। डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया के दौर में 'सबसे पहले' खबर देने की अंधी दौड़ (TRP और क्लिकबेट की होड़) ने खबरों की सत्यता जांचने की स्थापित परंपरा को नेपथ्य में धकेल दिया है। हिंदी पत्रकारिता की ताकत उसकी सहज, सरल और प्रभावशाली भाषा रही है। लेकिन आज हाइब्रिड भाषा और सनसनीखेज हेडलाइंस के चक्कर में भाषा की गरिमा के साथ समझौता किया जा रहा है। जनसरोकार के मुद्दे—जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, और ग्रामीण विकास—अक्सर मुख्यधारा की बहसों से गायब दिखते हैं। उनकी जगह गैर-जरूरी और ध्रुवीकरण करने वाले मुद्दों को तरजीह दी जा रही है।

स्मार्टफोन और सस्ते इंटरनेट ने हिंदी पत्रकारिता का लोकतांत्रीकरण किया है। आज कस्बों और गाँवों के छोटे स्वतंत्र पत्रकार भी यूट्यूब और पोर्टल्स के माध्यम से अपनी बात रख पा रहे हैं। यह इस दौर का सबसे सकारात्मक पहलू है। परंतु दूसरा पहलू चिंताजनक है: बिना किसी संपादकीय नियंत्रण और जवाबदेही के चल रहे अनगिनत डिजिटल चैनलों ने 'फर्जी खबरों' के प्रसार को आसान बना दिया है। ऐसे में असली पत्रकारिता और एजेंडा-ड्रिवेन कंटेंट के बीच का अंतर धुंधला होता जा रहा है। आधुनिक दौर में मीडिया एक बड़े उद्योग में तब्दील हो चुका है। कॉरपोरेट फंडिंग और सरकारी विज्ञापनों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण संपादकीय स्वतंत्रता संकुचित हुई है। 'सत्य कहना और सत्ता से सवाल पूछना' जो पत्रकारिता का मूल धर्म माना जाता था, वह अब व्यावसायिक हितों के तराजू पर तौला जाने लगा है। हिंदी पत्रकारिता ने इतिहास के हर दौर में समाज का मार्गदर्शन किया है। आज भले ही तकनीक और बाजारवाद ने इसके सामने कुछ चुनौतियाँ खड़ी की हैं, लेकिन इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में हिंदी पत्रकारिता को अपनी धार और निष्पक्षता को बनाए रखना होगा। जब तक पत्रकारिता आम आदमी की समस्याओं से जुड़ी रहेगी, तब तक इसकी जीवंतता पर कोई आंच नहीं आ सकती। समय की मांग है कि हिंदी पत्रकारिता सनसनी के शोर से बाहर निकलकर, जनसरोकार के सुरों को और प्रखर करे।

अब बख्शे नहीं जाएंगे घुसपैठिए

प्रमोद भार्गव

नक्सल समस्या की तरह अब घुसपैठियों की समस्या का निदान भी होने जा रहा है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा घुसपैठियों को देश से बाहर करने की मुहिम से तय है कि देश का जनसंख्यात्मक घनत्व बिगाड़ रहे और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए खतरा बने इन बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिमों की विदाई तय है। अधिकारी ने बंगाल में भाजपा की जीत के साथ ही, सबका विकास, सबका साथ नारे को बदलते हुए तय कर दिया है कि जिसका साथ, उसका विकास किया जाएगा। घुसपैठियों के बंगाल में बसने और लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री रहते हुए मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति के तहत मिल रहा था। किंतु अधिकारी ने 'डिटेक्ट, डिलीट एंड डिपोर्ट' नीति लागू करने और जिला स्तर पर होल्डिंग सेंटर बनाने का निर्णय लेकर जता दिया है कि आखिरकार अवैध प्रवासियों को बाहर जाना ही होगा। इसी कड़ी में गृहमंत्री अमित शाह ने प्लेटफार्म एक्स पर ऐलान कर दिया कि 'घुसपैठ और अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन किसी भी राष्ट्र के लिए वर्तमान और भविष्य के लिए बड़ी चुनौती है। इससे निपटने के लिए 15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में आबादी का संतुलन बिगड़ने की जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति गठित करने की बात कही थी, जो अब कर दी गई है। यह समिति धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या बदलाव के तरीके की जांच व समीक्षा करेगी।' यह समिति सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में काम कर एक साल के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

बंगाल, असम और पूर्वोत्तर राज्यों में स्थानीय बनाम विदेशी नागरिकों का मसला एक बड़ी समस्या बन गया है। जो यहां के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन को लंबे समय से झकझोर रहा है। बड़ी संख्या में घुसपैठ करके आए मुस्लिमों ने उनके न केवल आजीविका के संसाधनों को हथिया लिया है, बल्कि कृषि भूमि पर भी काबिज हो गए हैं। इस कारण राज्यों का जनसंख्यात्मक घनत्व बिगड़ रहा है। लिहाजा यहां के मूल निवासी और घुसपैठियों के बीच जानलेवा हिंसक झड़पें भी होती रहती हैं। नतीजतन अवैध और स्थायी नागरिकों की पहचान के लिए सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता पत्रक बनाने की पहल की थी। इसके मुताबिक 1971 से पहले असम में रह रहे लोगों को मूल नागरिक माना गया है। इसके बाद के लोगों को अवैध नागरिकों की सूची में दर्ज किया गया है। दरअसल घुसपैठिए अपनी नागरिकता सिद्ध नहीं कर पाते हैं, तो यह उन राजनीतिक दलों को वजूद बचाए रखने की दृष्टि से खतरे की घंटी है, जो मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए घुसपैठ को बढ़ावा देकर अवैध नागरिकता को वैधता देने के उपाय करते रहे हैं। पहले सीपीएम और बाद में तृणमूल इन घुसपैठियों को न केवल शरण देते रहे हैं, बल्कि उनके आधार, राशन और वोटर कार्ड भी बनवाते रहे हैं। नतीजा रहा कि बंगाल का हर चौथा वोटर मुस्लिम बताया जा रहा है। छह जिले तो ऐसे हैं, जहां मुस्लिमों की आबादी 66 प्रतिशत से भी अधिक है। इस कड़ी में मुर्शिदाबाद जिले में 66.27, मालदा में 51.27, उत्तर दिनाजपुर 49.92, वीरभूमि में 37.06, दक्षिण 24 परगना 35.57 और नादिया में 26.27 प्रतिशत मुस्लिमों की आबादी हो गई है। इस बिगड़े जनसंख्यात्मक घनत्व का ही परिणाम रहा कि 34 साल सीपीएम और 15 साल तृणमूल ने बंगाल पर शासन करते हुए घुसपैठियों को संरक्षण देते रहे हैं। यदि असम में अवैध घुसपैठ की बात करें तो 1951 से 1971 के बीच यहां के मतदाताओं की संख्या अचानक 51 प्रतिशत बढ़ गई। 1971 से 1991 के बीच यह संख्या बढ़कर 89 फीसदी हो गई। 1991 से 2011 के बीच मतदाताओं की तादाद 53 प्रतिशत बढ़ी। जबकि देश के अन्य हिस्सों में मुस्लिमों की आबादी में बढ़ोतरी 13.4 प्रतिशत से 14.2 फीसदी तक ही हुई। असम में 35 प्रतिशत से अधिक मुस्लिमों वाली 2001 में विधानसभा सीटें 36 थी, जो 2011 में बढ़कर 39 हो गईं।

गौरतबल है कि 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्र होने के बाद से 1991 तक हिंदुओं की जनसंख्या में 41.89 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि इसी दौरान मुस्लिमों की जनसंख्या में 77.42 फीसदी की बेलगाम वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह 1991 से 2001 के बीच असम में हिंदुओं की जनसंख्या 14.95 प्रतिशत बढ़ी, जबकि मुस्लिमों की 29.3 फीसदी बढ़ी। घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बनाने के लिए कांग्रेसियों ने इन्हें बड़ी संख्या में मतदाता पहचान पत्र एवं राशन कार्ड तक हासिल कराए। कांग्रेस की तरुण गोगोई सरकार इसी बूते 15 साल सत्ता में रही। लेकिन लगातार घुसपैठ ने कांग्रेस की हालत पतली कर दी थी। फलस्वरूप भाजपा सत्ता में आ गई। इस अवैध घुसपैठ के दुष्प्रभाव पहले अलगाववाद के रूप में देखने में आ रहे थे, लेकिन बाद में राजनीति में प्रभावी हस्तक्षेप के रूप में बदल गए। असम को बांग्लादेश से अलग ब्रह्मपुत्र नदी करती है। इस नदी का पाट इतना चौड़ा और दलदली है कि इस पर बाड़ लगाना या दीवार बनाना नामुमकिन है। केवल नावों पर सशस्त्र पहरेदारी के जरिए घुसपैठ को रोका जाता है। प्रधानमंत्री राजीव गांधी सरकार ने तत्कालीन असम सरकार के साथ मिलकर फैसला लिया था कि 1971 तक जो भी बांग्लादेशी असम में घुसे हैं, उन्हें नागरिकता दी जाएगी और बाकी को भारत की जमीन से निर्वासित किया जाएगा। इस फैसले के तहत ही अब तक कई बार एनआरसी ने नागरिकों की वैध सूची जारी करने की कोशिश की, लेकिन मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति के चलते कांग्रेस, वामपंथी और तृणमूल एनआरसी का विरोध करते रहे हैं। अतएव 2005 में सर्बानंद सोनोवाल बनाम भारत संघ मामले में असम में अवैध प्रवासियों के पहचान से जुड़े एक पुराने कानून को रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि असम में होने वाली भारी घुसपैठ ने राज्यों के नागरिकों के जीवन को आमूलचूल प्रभावित किया है। यह स्थिति एक तरह के अघोषित बाहरी आक्रमण जैसी है। बांग्लादेश के साथ भारत की कुल 4097 किलोमीटर लंबी सीमा-पट्टी है, जिस पर जरूरत के मुताबिक सुरक्षा के इंतजाम नहीं हैं। इस कारण गरीबी और भुखमरी के मारे बांग्लादेशी असम और बंगाल में घुसे चले आते हैं। यहां इन्हें कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अपने-अपने वोट बैंक बनाने के लालच में भारतीय नागरिकता का सुगम आधार उपलब्ध करा देते हैं। मतदाता पहचान पत्र जहां इन्हें भारतीय नागरिकता का सम्मान हासिल करा देता है, वहीं राशन कार्ड की उपलब्धता इन्हें बीपीएल के दायरे में होने के कारण मुफ्त अनाज की सुविधा दिला देती हैं। आसानी से बन जाने वाले बहुउद्देशीय पहचान वाले आधार कार्ड भी इन घुसपैठियों ने बड़ी मात्रा में हासिल कर लिए हैं। इन सुविधाओं की आसान उपलब्धता के चलते देश में घुसपैठियों की तादाद चार करोड़ से भी ज्यादा बताई जा रही है। यह अच्छी बात है कि अब इनकी नाक में नकेल डालकर बाहर का रास्ता दिखाने की मुहिम युद्ध स्तर पर चल रही है।

तकनीकी क्रांति से बदलेगा खाद्य सुरक्षा तंत्र

कांतिलाल मांडोत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए लिया गया फैसला देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था में एक बड़े बदलाव का संकेत है। सरकार ने सार्थक पीडीएस योजना को मंजूरी देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में राशन वितरण व्यवस्था केवल अनाज बांटने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह तकनीक पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा एक मजबूत डिजिटल नेटवर्क बनने जा रही है। इस योजना के माध्यम से देश के लगभग 80 करोड़ लोगों तक सीधा लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

सरकार इस योजना पर लगभग 25 हजार 530 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है, जो यह दर्शाता है कि गरीब और जरूरतमंद वर्ग तक सही तरीके से राशन पहुंचाने को लेकर केंद्र सरकार कितनी गंभीर है। भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली लंबे समय से गरीबों के लिए जीवनरेखा मानी जाती रही है। करोड़ों परिवार हर महीने मिलने वाले राशन पर निर्भर रहते हैं। वर्षों से इस व्यवस्था में कई प्रकार की समस्याएं सामने आती रही हैं, जिनमें फर्जी राशन कार्ड बिचौलियों की भूमिका वितरण में गड़बड़ी और अनाज की चोरी जैसी शिकायतें प्रमुख रही हैं। कई राज्यों में यह भी देखा गया कि वास्तविक लाभार्थियों तक पूरा राशन नहीं पहुंच पा रहा था, जबकि कई अपात्र लोग इसका फायदा उठा रहे थे। ऐसे में केंद्र सरकार ने इस पूरी व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़कर अधिक मजबूत और भरोसेमंद बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सार्थक पीडीएस योजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका डिजिटल और एआई आधारित ढांचा है। सरकार अब लाभार्थियों के पंजीकरण और सत्यापन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक डिजिटल तकनीकों का उपयोग करेगी। इससे फर्जी राशन कार्डों की पहचान आसान होगी और वास्तविक लाभार्थियों तक राशन पहुंचाने में मदद मिलेगी। डिजिटल तकनीक के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को दोहरा लाभ न मिले और हर पात्र परिवार को उसका अधिकार समय पर प्राप्त हो सके। यह व्यवस्था पारदर्शिता को बढ़ाने के साथ साथ भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर भी प्रभावी रोक लगाने में सहायक साबित होगी। आज के दौर में तकनीक केवल सुविधा का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि प्रशासनिक सुधार का सबसे मजबूत आधार बन चुकी है। बैंकिंग स्वास्थ्य शिक्षा और परिवहन की तरह अब राशन व्यवस्था भी तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रही है। सरकार का प्रयास है कि पीडीएस प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल बनाकर इसे अधिक सरल, तेज और पारदर्शी बनाया जाए।

पश्चिम बंगाल में 35 मंत्री एक साथ लेंगे शपथ

नए चेहरों को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने जानकारी दी है कि राज्य सरकार की मंत्रिपरिषद का विस्तार किया जाएगा. इस संबंध में उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट साझा किया. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने अपने पोस्ट में लिखा कि पश्चिम बंगाल की जनता के फैसले से चुनी गई राष्ट्रवादी सरकार की पूर्ण मंत्रिपरिषद का गठन किया जा रहा है. मंत्रिपरिषद के विस्तार के तहत राज्य सरकार के 35 मंत्री कल सोमवार (1 जून 2026) की सुबह 11 बजे शपथ लेंगे. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह नबान्न में आयोजित किया जाएगा. इस दौरान पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर. एन. रवि सभी मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे. मंत्रिपरिषद के इस विस्तार को नई सरकार के गठन के बाद एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. शपथ लेने वाले मंत्रियों को बाद में विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है. सरकार की ओर से अभी मंत्रियों के विभागों की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है.

पश्चिम बंगाल सरकार का प्रशासनिक ढांचा

पश्चिम बंगाल राज्य की राजनीति में इस कार्यक्रम को अहम माना जा रहा है, क्योंकि इसके बाद सरकार का प्रशासनिक ढांचा पूरी तरह से सक्रिय हो जाएगा और अलग-अलग विभागों में कामकाज की जिम्मेदारियां तय हो सकेंगी. बता दें कि बीजेपी ने विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को हरा दिया था. इसके बाद बीजेपी ने शुभेंदु अधिकारी को राज्य का सीएम चुना।

अभिषेक बैनर्जी पर हमले के बाद एकजुट हुआ इंडिया ब्लाक

पश्चिम बंगाल के सोनारपुर में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी पर भीड़ ने हमला कर दिया. उनके ऊपर अंडे और पत्थर फेंकने के वीडियो सामने आए हैं. उन्हें किसी तरह हेलमेट पहनाकर वहां से निकाला गया. अभिषेक उन टीएमसी कार्यकर्ताओं के पीड़ित परिजनों से मिलने पहुंचे थे, जिनकी हिंसा में मौत हो गई थी. इस हमले के लिए ममता बनर्जी ने बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया है, वहीं सत्तारूढ़ पार्टी ने इस आरोप को खारिज कर दिया है. बंगाल के विधानसभा चुनाव में हार के बाद ऐसा लग रहा था कि ममता बनर्जी का कद इंडिया ब्लॉक में छोटा हो गया है. जो टीएमसी चुनाव में अकेले उतरकर बार-बार ये साबित कर रही थी कि राज्य में जनता सिर्फ और सिर्फ उसी के साथ है और वहां कांग्रेस-लेफ्ट दलों का कोई वर्चस्व नहीं है, उसे जनता ने इस बार खारिज कर दिया. ममता बनर्जी ने खुद हाल ही में इंडिया ब्लॉक के नेताओं से अपील की थी कि बंगाल में उनका साथ दिया जाए, लेकिन अभिषेक बनर्जी पर हुए इस हमले ने एक बार फिर विपक्ष एकजुट हुआ और कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी से लेकर आरजेडी और बीआरएस तक सबने ममता बनर्जी को अपना समर्थन दिया. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले की निंदा करते हुए उसे चौंकाने वाला बताया. उन्होंने आरोप लगाया कि एक बड़े विपक्षी नेता को जानबूझकर पर्याप्त पुलिस सुरक्षा नहीं दी गई. ये भाजपा की बदले और उत्पीड़न की राजनीति का सबूत है.

ईरान से डील पर बातचीत से पहले ट्रंप ने दी धमकी

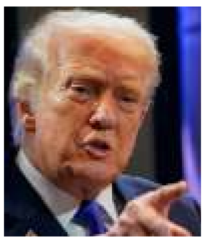

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ चल रही बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है और दोनों देशों के बीच एक संभावित समझौते की संभावना बन रही है. हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी समझौते की सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह होगी कि ईरान परमाणु हथियार हासिल नहीं करेगा. फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वार्ता आगे बढ़ रही है, लेकिन अभी तक कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है. उन्होंने कहा, 'मेरे लिए सबसे बड़ी गारंटी यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होंगे और उन्होंने इस बात पर सहमति जताई है.' डोनाल्ड ट्रंप ने वार्ता को लेकर आशावाद जताते हुए कहा कि जल्दबाजी में कोई अच्छा समझौता नहीं हो सकता. उन्होंने कहा कि धैर्य के साथ बातचीत आगे बढ़ रही है और अमेरिका अपनी अपेक्षाओं के अनुरूप परिणाम हासिल करने की दिशा में बढ़ रहा है.ट्रंप ने कहा, 'हम एक बहुत अच्छे समझौते के करीब हैं. यदि आप जल्दबाजी करेंगे तो अच्छा समझौता नहीं कर पाएंगे. धीरे-धीरे हम उस दिशा में बढ़ रहे हैं जो हम चाहते हैं।

वेश्यावृत्ति कर रही हर महिला 'मजबूर' नहीं

- पुनर्वास केंद्र में भेजने से पहले उसकी इच्छा जानना जरूरी: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि वेश्यावृत्ति में लगी हर महिला को मजबूर मानकर उसे पुनर्वास केंद्र में भेज देना गलत है. कोर्ट ने कहा है कि बहुत सी महिलाएं स्वेच्छा से यह काम कर रही हैं. अगर महिला वयस्क है तो बिना उसकी मर्ज़ी जाने उसे पुनर्वास केंद्र में भर्ती कर देना गलत होगा.'प्रज्वला बनाम भारत सरकार' मामले में दाखिल एक आवेदन का निपटारा करते हुए जस्टिस जे बी पारडीवाला और आर महादेवन की बेंच ने यह बड़ा फैसला दिया है. इस आवेदन में वेश्यावृत्ति से मुक्त की गई महिलाओं के पुनर्वास की व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग की गई थी. सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने इस बारे में बनाई गई योजनाओं और उनके अमल में राज्यों के प्रयासों की जानकारी दी थी. इस पर कोर्ट ने संतुष्टि जताई थी.

कोर्ट ने मौजूदा कानूनी व्यवस्था को अव्यावहारिक और पुरुषवादी सोच से ग्रस्त बताया. फैसले में कहा गया है- 'इम्मोरल ट्रेफिक प्रीवेंशन एक्ट, 1956' की धारा 17 में हर 'सेक्स वर्कर' महिला को एक ही नजरिए से देखा जाता है. कानून में इस बात का फर्क नहीं किया जाता कि महिला से जबरन यह काम करवाया जा रहा है या वह अपनी इच्छा से इसे कर रही है. सबको एक समान समझने की यह प्रवृत्ति ऐसी महिलाओं को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करते समय उनकी वास्तविकता को नजरअंदाज कर देती है.

फैसले में कहा गया है कि यह पूरा विषय महिला के जीवन, स्वतंत्रता और भविष्य से जुड़ा है. इसे तय करते समय उसकी इच्छा की अनदेखी नहीं की जा सकती. मजिस्ट्रेट को महिला से उसकी इच्छा के बारे में जानकारी लेनी चाहिए. अगर कोई महिला स्वेच्छा से वेश्यावृत्ति कर रही है और इसे जारी रखना चाहती है. महिला स्थायी संरक्षण या पुनर्वास केंद्र में दाखिल नहीं होना चाहती तो उसे जाने देना चाहिए. 2 जजों की बेंच ने यह साफ किया है कि महिला से पूछताछ के दौरान मजिस्ट्रेट को सावधानी बरतनी चाहिए. उसे इस बात के लिए संतुष्ट होना चाहिए कि महिला जो भी कह रही है, अपनी मर्जी से कह रही है. उसके बयान के पीछे कोई दबाव या जोर जबरदस्ती नहीं है।

PoK से LoC पार करने वाले प्रेमी-प्रेमिका को सेना ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जाए पीओके के एक नागरिक को बारामूला जिले में सेना ने कथित प्रेम प्रसंग के चलते गिरफ्तार किया है. वह एलओसी पार कर भारतीय सीमा में घुस गया था. सेना की कार्रवाई 31 मई, 2026 यानी आज सुबह लगभग 09:30 बजे हुई है . आर्मी की 12 ग्रेनेडियर्स यूनिट ने PoK के एक नागरिक को उस समय हिरासत में ले लिया. जब उसने कथित तौर पर सिलिकोट बॉर्डर पार की थी.

इस संदिग्ध की पहचान जीशान अहमद मीर के रूप में हुई है. यह लाल दीन मीर का बेटा है. पीओके के मुजफ्फराबाद जिले के पैनकाडी गांव का रहने वाला है. खबरों के अनुसार, वह इरम बानो नाम की एक लड़की से मिलने के लिए बॉर्डर पार करके आया था. इरम बानो अब्दुल मजीद मीर की बेटी है. बारामूला जिले के उरी थाना क्षेत्र के टिलेई गांव की रहने वाली है. मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है. फिलहाल दोनों को सेना ने कस्टडी में रखा हुआ है।

पहलगाम आतंकी हमले पर बुरी तरह पछता रहे होंगे आसिम मुनीर

बूंद-बूंद को तरस गया पाकिस्तान का कराची

पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची में पानी की भारी कमी है. भीषण गर्मी के बीच लगभग 70 प्रतिशत आबादी पानी की आपूर्ति में लगातार रुकावट से परेशान है. यह जल संकट ऐसे समय में सामने आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि एक वर्ष से अधिक समय से निलंबित है, जिससे पाकिस्तान में पानी की कमी हो गई है.

SINDH
NO WATER
NO LIFE
KARACHI

क्या है सिंधु जल संधि?

1960 में हुई सिंधु जल संधि भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी प्रणाली के जल बंटवारे को कंट्रोल करती है. इस संधि के तहत भारत को पूर्वी नदियों पर असीमित अधिकार प्राप्त हुए, जबकि पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब पर प्राथमिक अधिकार दिए गए.पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा की. हालांकि यह संकट नया नहीं है. एशिया न्यूज नेटवर्क की एक रिपोर्ट के अनुसार, कराची में पानी की कमी दशकों से जनसंख्या वृद्धि, पुरानी पाइपलाइनों, खराब शहरी नियोजन और पानी चोरी के चलते पैदा हुई है.

कराची के कई इलाकों में पानी की कमी

एआरवाई न्यूज के अनुसार, शहर के कई हिस्सों में रहने वाले लोगों को पानी की कमी के चलते महंगे निजी टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है. गुलिस्तान-ए-जौहर, गुलशन-ए-इकबाल, अजीजाबाद, लियाकतबाद, उत्तरी नाज़िमाबाद और उत्तरी कराची सहित कई इलाकों में 2 सप्ताह से अधिक समय से पानी की भारी कमी देखी जा रही है.

जमात-ए-इस्लामी ने साधा निशाना

इस मुद्दे ने राजनीतिक विवाद भी खड़ा कर दिया है. जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख हाफ़िज़ नईम-उर रहमान ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेतृत्व वाली सिंध सरकार पर आरोप लगाया है कि प्रांत में लगभग 2 दशकों से सत्ता में होने के बावजूद वह कराची में पानी की गंभीर कमी को दूर करने में विफल रही है.बकरीद के उत्सव के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए रहमान ने कहा कि हजारों निवासी बुनियादी ज़रूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं. उन्होंने पीपीपी के नेतृत्व वाली सिंध सरकार पर आवश्यक सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

GHAZIABAD POLICE

सूर्या हत्याकांड में बड़ा खुलासा, पिता ने असद को उकसाया था

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में सूर्या हत्याकांड के बाद एनकाउंटर में ढेर हुए मुख्य आरोपी असद के पिता नवाब को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. इसके साथ ही फरहान और आतिफ नाम के दो युवकों को भी पुलिस ने पकड़ा है. जिसमें से फरहान और आतिफ की उम्र महज 19 वर्ष है. पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान फरहान ने बताया कि उसकी सूर्य प्रताप से दोस्ती थी. बकरीद यानी 28 मई को दोपहर 3:00 बजे बाइक चलाने को लेकर असद का सूर्या से झगड़ा हो गया था. असद ने यह बात अपने पिता नवाब और दोस्तों को बताई थी, तभी इन लोगों ने असद को सबक सिखाने की योजना बनाई और आधे घंटे बाद नवनीत विहार गली में घेर लिया. आरोपी फरहान के मुताबिक उसने असद को चाकू दिया और असद के पिता नवाब ने कहा कि आज इसकी कहानी खत्म कर दो।

आरसीबी ने लगातार दूसरी बार जीता आईपीएल

विराट कोहली ने फाइनल में खेली 75 रन की पारी

RCB
CHAMPIONS 2026

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीज़न के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को हराकर दूसरी बार खिताब जीत लिया है. आरसीबी ने जीटी की ओर से जीत के लिए मिले 156 रन के लक्ष्य को 18 ओवर में पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया. आरसीबी की जीत के हीरो विराट कोहली रहे जिन्होंने 75 रन की नाबाद पारी खेली. अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में वॉशिंगटन सुंदर ने 50 रन की नाबाद पारी खेलकर जीटी की पारी को 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 155 रन तक पहुंचाया था. आरसीबी की लगातार दूसरी खिताबी जीत के हीरो उसके गेंदबाज भी रहे. रसिख सलाम डार ने तीन विकेट लिए. वहीं भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड के हिस्से में दो-दो विकेट आए. इन तीनों गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी की बदौलत ही आरसीबी ने जीटी को 155 रन के स्कोर पर ही रोक दिया.

156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की शुरुआत जोरदार रही. पारी के कगिसो रबाडा के वेंकटेश अय्यर ने 18 रन स्कोर किए. दो ओवर बाद ही आरसीबी का स्कोर बिना किसी नुकसान के 23 रन हो गया था. तीसरे ओवर में विराट कोहली ने भी हाथ खोले और सिराज के खिलाफ दो चौके स्कोर किए. चौथे ओवर में विराट कोहली ने रबाडा को निशाने पर लिया. विराट कोहली ने चौथे ओवर में तीन चौके और एक छक्का जड़ा. इसके साथ ही चार ओवर में आरसीबी का स्कोर 50 के पार पहुंच गया. हालांकि सिराज ने 5वें ओवर में अय्यर का विकेट लिया. लेकिन अय्यर ने 16 गेंद में 32 रन की पारी खेलकर आरसीबी को वो शुरुआत दिला दी जिसकी उसे लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के लिए जरूरत थी. हालांकि, अपने तीसरे ओवर में रबाडा ने कमबैक किया और पहली गेंद पर ही देवदत्त पडिक्कल को पवेलियन वापस भेज दिया. पडिक्कल ने महज एक रन ही बनाया. विराट कोहली हालांकि किसी दबाव में नजर नहीं आए और पावरप्ले में ही आरसीबी का स्कोर 70 रन पहुंच गया. कोहली के साथ कप्तान रजत पाटीदार ने आरसीबी की पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश की. लेकिन 9 ओवर की दूसरी गेंद पर राशिद खान ने पाटीदार को आउट कर दिया. पाटीदार ने 15 रन ही बनाए. राशिद खान ने 9वें ओवर में कमाल करते हुए क्रुणाल पंड्या का विकेट भी ले लिया. लेकिन विराट एक छोर पर मजबूती से टिके रहे और आरसीबी का स्कोर 10 ओवर में ही 100 रन तक पहुंच गया. टिम डेविड और विराट कोहली के बीच पांचवें विकेट के लिए 41 रन की पार्टनरशिप हुई. हालांकि 132 के स्कोर पर आरसीबी ने पांचवां विकेट गंवाया. डेविड ने 17 गेंद में 24 रन की पारी खेली. लेकिन लगातार गिरते विकेटों के बीच विराट कोहली हालांकि क्रीज पर डेट रहे और आरसीबी को दूसरी बार चैंपियन बनाकर ही ड्रेसिंग रूम में वापस लौटे.

इससे पहले फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने टॉस जीतकर जीटी को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया.

पहले बल्लेबाजी करते हुए जीटी की शुरुआत अच्छी नहीं रही. क्वालिफायर टू में जीटी की जीत के हीरो रहे शुभमन गिल और साई सुदर्शन इस बार कोई कमाल नहीं दिखा पाए. जोश हेजलवुड ने तीसरे ओवर में गिल का विकेट लिया, जबकि चौथे ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने साई को आउट कर दिया. गिल ने 10 और साई ने 12 रन बनाए. जीटी को फाइनल में पहुंचाने में इन दोनों बल्लेबाजों की अहम भूमिका रही थी. गिल और साई के नाम इस सीजन में 700 से ज्यादा रन हैं. दो विकेट जल्दी गिरने का असर जीटी की शुरुआत पर साफ दिखाई दिया. जीटी ने पावरप्ले में दो विकेट गंवाकर 45 रन ही बनाए. सात ओवर पूरे होने पर जीटी का स्कोर 50 के पार पहुंचा. बटलर ने निशांत संधू के साथ मिलकर जीटी को संभालने की कोशिश की. लेकिन 8वें ओवर की आखिरी गेंद पर रसिख सलाम ने संधू को आउट कर दिया. संधू ने 18 गेंद में 20 रन ही बनाए. रनों की धीमी रफ्तार के दबाव में जोस बटलर भी क्रुणाल पंड्या की गेंद पर स्टंप आउट हो गए. 13वें ओवर की पहली गेंद पर जब बटलर आउट हुए जब गुजरात का स्कोर 73 रन ही था. बटलर ने 23 गेंद में 19 रन ही बनाए. हालांकि वॉशिंगटन सुंदर ने 37 गेंद में 50 रन की पारी खेली और जीटी के स्कोर को 155 रन तक पहुंचाया. हालांकि फाइनल से पहलें दोनों टीमें क्वालिफायर वन में आमने-सामने हुई थीं, जिसमें आरसीबी ने जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई. वहीं, गुजरात ने दूसरे क्वालिफायर मुक़ाबले में राजस्थान रॉयल्स को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

वैभव ने जीता ऑरेंज कैप

इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन : वैभव सूर्यवंशी
मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर : वैभव सूर्यवंशी
ऑरेंज कैप (10 लाख रुपये) : वैभव सूर्यवंशी
पर्पल कैप (10 लाख रुपये) : कगिसो रबाडा
मोस्ट सिक्स अवॉर्ड : वैभव सूर्यवंशी
मोस्ट फोर अवॉर्ड : साई सुदर्शन
बेस्ट स्ट्राइक रेट अवॉर्ड : वैभव सूर्यवंशी
सबसे अधिक डॉट बॉल : मोहम्मद सिराज
सीजन का सर्वश्रेष्ठ कैच : मनीष पांडे
फेयर प्ले अवॉर्ड : पंजाब किंग्स
प्लेयर ऑफ द मैच फाइनल : विराट कोहली

ऋतुराज गायकवाड़ की टीम इंडिया में एंट्री

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने अफगानिस्तान ए और श्रीलंका ए के खिलाफ ट्राई सीरीज के लिए टीम इंडिया के एलान कर दिया है. यह ट्राई सीरीज 9 जून-21 जून तक चलेगी. इंडिया A टीम में ऋतुराज गायकवाड़ की एंट्री हुई है और उन्हें टीम का उपकप्तान बनाया गया है. तिलक वर्मा इस ट्राई सीरीज के दौरान टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे होंगे. श्रीलंका और अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली ट्राई सीरीज में पहले रियान पराग को मौका दिया जाना था और उन्हें उपकप्तानी मिलने वाली थी. बीसीसीआई द्वारा जारी स्टेटमेंट अनुसार पराग हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण ट्राई सीरीज से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह ऋतुराज गायकवाड़ ने ली है. पराग आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर रहे थे. उनकी टीम ने प्लेऑफ तक का सफर तय किया था, लेकिन क्वालीफायर 2 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार गई थी

समझौते को अंतिम रूप देने के लिए व्यापक बीटीए के तहत कई क्षेत्रों पर होगी बातचीत

ट्रेड डील को अंतिम रूप देने भारत आ रहा अमेरिकी डेलिगेशन

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच दो मुख्य वार्ताकार सोमवार से चार दिवसीय चर्चा करेंगे. दोनों देशों के बीच होने वाली ट्रेड डील के समझौते को अंतिम रूप दिया जाएगा. अमेरिका डेलीगेशन का नेतृत्व मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच करेंगे. वहीं भारत से दर्पण जैन वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव हैं, वह इस चर्चा में मुख्य वार्ताकार होंगे. यह वार्ता 1 से 4 जून के बीच चलेगी. वाणिज्य मंत्रालय ने बताया है कि दोनों पक्ष समझौते को अंतिम रूप देने के लिए व्यापक बीटीए के तहत कई क्षेत्रों पर बातचीत करेंगे. इनमें मार्केट, गैर टैरिफ उपाय, सीमा शुल्क, बिजेनस फैसिलिटी, इन्वेंस्टमेंट और इकॉनोमिक सिक्योरिटी से जुड़े प्रस्ताव हैं.

इससे पहले 7 फरवरी को भारत और अमेरिका ने एक संयुक्त बयान जारी किया था. इसमें द्विपक्षीय व्यापारिक समझौते या एक अंतिरम व्यापार समझौते के पहले चरण की रूप रेखा या ढांचे को अंतिम रूप दिया गया था. अब दोनों कानूनी रूप से उस सौदे को अंतिम रूप देंगे. इस ढांचे ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक प्रतिबद्धता की पुष्टी की है.

अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत पर जताई सहमति?

उस ढांचे के अनुसार अमेरिका ने भारत में लगने वाले टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमति जताई थी. अमेरिका ने इससे पहले रूसी तेल खरीदने के कारण भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ को हटा दिया था. समझौते के तहत 25 प्रतिशत को घटाकर 18 प्रतिशत किया जाना था. इधर, अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने 20 फरवरी को राष्ट्रपति की तरफ से लगाए गए रेसीप्रोकल टैरिफ को रद्द कर दिया था. ये टैरिफ 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट के तहत लगाए गए थे. इसके बाद 24 फरवरी को ट्रंप ने 150 दिनों के लिए सभी देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी. इन्हीं चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका की एक टीम 1 से 4 जून तक भारत में रहेंगे.

छत्तीसगढ़ में सादगी की शादी का 'सियासी बखेड़ा'

अव्यवस्था पर भड़के डॉ. रमन सिंह, प्रशासन को लगाई फटकार

शहर सत्ता/बेमेतरा/रायपुर। छत्तीसगढ़ में बेमेतरा के भाजपा विधायक दीपेश साहू की सादगीपूर्ण शादी इन दिनों सुर्खियों में है। छत्तीसगढ़ में सादगी की शादी का 'सियासी बखेड़ा' खड़ा हो गया है। विधायक दीपेश साहू की शादी में अव्यवस्था पर भड़के डॉ. रमन सिंह ने अफसरों की अपमानजनक चूक पर प्रशासन को फटकार लगाया है। उन्होंने 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना' के तहत एक बीपीएल परिवार की बेटी तरुणा साहू से विवाह रचाकर समाज में सादगी का बड़ा संदेश दिया है। बारात में बैलगाड़ी का उपयोग और उपमुख्यमंत्री अरुण साव का सारथी बनना आकर्षण का केंद्र रहा। लेकिन, इस सुखद आयोजन के दौरान हुई एक बड़ी चूक ने कार्यक्रम का रंग फीका कर दिया और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का गुस्सा फूट पड़ा। यह शादी जहां समाज को सादगी का पाठ पढ़ा रही है, वहीं कार्यक्रम में हुई प्रशासनिक चूक ने सत्ता के गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। डॉ. रमन सिंह की तीखी टिप्पणी से यह स्पष्ट हो गया है कि आगामी समय में छत्तीसगढ़ में प्रोटोकॉल और प्रशासनिक गंभीरता को लेकर सरकार बेहद सख्त रुख अपनाने वाली है।

क्या है मामला?

विधायक दीपेश साहू ने एक सामूहिक विवाह समारोह में शिरकत करते हुए ड्राइवर की बेटी तरुणा साहू के साथ सात फेरे लिए। शादी का उद्देश्य दिखावे और फिजूलखर्ची के खिलाफ समाज को एक प्रेरणा देना था। विधायक ने यह घोषणा भी की कि सरकारी योजना के तहत मिलने वाली राशि वे अपने पास नहीं रखेंगे, बल्कि उसे मेधावी छात्राओं की शिक्षा पर खर्च करेंगे। एक शिक्षक से राजनीति में आए और पहली बार विधायक बने दीपेश साहू की इस पहल की प्रशंसा हो रही है।

रमन सिंह हुए अफसरों पर आगबबूला

शादी के दौरान हुई अव्यवस्था को लेकर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह बेहद नाराज दिखे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्री समेत पूरा मंत्रिमंडल मौजूद था, लेकिन जिला प्रशासन की तैयारियों में दिखी लापरवाही ने रमन सिंह को बोलने पर मजबूर कर दिया। मंच से डॉ. रमन सिंह ने सख्त लहजे में कहा, "जिला प्रशासन को विशेष तौर पर कहना चाहता हूं। मैं यहां एक साल रहा हूं, मुख्यमंत्री जी वहां रहे हैं। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री की गरिमा के अनुरूप नहीं है। कलेक्टर और एसपी को मैं साफ शब्दों में कहना चाहता हूं, यह तरीका नहीं है कि मुख्यमंत्री जी का पीछे से स्वागत किया जाए।" उन्होंने आगे कहा, "इतनी जानकारी शायद उन्हें नहीं है कि चीफ मिनिस्टर और दो डिप्टी चीफ मिनिस्टर यहाँ बैठे हैं, मंत्रिमंडल के साथी बैठे हैं। आप ढाई घंटे में वैकल्पिक जगह नहीं ढूँढ पाए? इतनी नकारात्मकता के बावजूद उस जगह पर जाने को तैयार नहीं हुए। मैंने 15 साल मुख्यमंत्री रहने के दौरान ऐसी व्यवस्था कभी नहीं देखी। शायद अब सीख जाएंगे, आज से कुछ सीखेंगे। चूँकि आज मुझे लगा कि मुख्यमंत्री और पूरा मंत्रिमंडल बैठा है और उसके बाद भी गंभीरता नहीं है, इसलिए मुझे बोलना पड़ा।"

सामूहिक विवाह में बैलगाड़ी से निकली विधायक की बारात

बेमेतरा। वीआईपी कल्चर, लाखों-करोड़ों की शादियां और बड़े-बड़े दावतों के दौर में छत्तीसगढ़ के बेमेतरा से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जो सादगी की अनूठी मिसाल बन गई। बेमेतरा से भाजपा विधायक दीपेश साहू ने रविवार को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में एक साधारण परिवार की तरुणा साहू के साथ सात फेरे लिए। सरकारी शिक्षक से राजनीति की पिच पर आए विधायक दीपेश समेत कुल 21 जोड़ों का विवाह इस पंडाल में संपन्न हुआ। इस हाई-प्रोफाइल होने के बावजूद बेहद साधारण शादी में उस वक्त एक दिलचस्प मोड़ आ गया, जब सात फेरों और रस्मों के बीच आसमान से अचानक झमाझम बारिश शुरू हो गई। ही पानी गिरा, पंडाल में अफरा-तफरी मचने के बजाय एक अनोखा नजारा देखने को मिला। सिर पर सेहरा सजाए दूल्हे और घूंघट ओढ़े दुल्हनें खुद को भीगने से बचाने के लिए जो हाथ लगा, उसे सिर पर रखते नजर आए। विधायक की मौजूदगी के बावजूद किसी खास तामझाम के न होने के कारण कई जोड़ों और उनके परिजनों ने जमीन पर बिछे गद्दों और बैठने के लिए रखी प्लास्टिक की कुर्सियों को ही अपने सिर पर रख लिया।

नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत के आम/उप निर्वाचन, 1 जून को मतदान

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार राज्य में चल रहे नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम/उप-निर्वाचन के अंतर्गत 01 जून 2026 को मतदान होगा जिसमें नगरीय निकायों में अध्यक्ष के 05 पदों तथा पार्षद के 71 पदों के निर्वाचन हेतु बनाए गए 96 मतदान केन्द्रों में कुल 31928 मतदाताओं (15720 पुरूष मतदाता, 16207 महिला मतदाता तथा 01 अन्य मतदाता) द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग किया जायेगा, तथा त्रि-स्तरीय पंचायत में जनपद पंचायत सदस्य के 10, सरपंच के 34, तथा वार्ड पंच के 107 पदों के निर्वाचन हेतु बनाए गए 274 मतदान केन्द्रों में कुल 102797 मतदाताओं (51465 पुरूष मतदाता, 51331 महिला मतदाता तथा 01 अन्य मतदाता) द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग किया जायेगा। आयोग से प्राप्त जानकारी अनुसार नगरीय निकायों में मतदान समय प्रातः 8-00 बजे से सांय 5-00 बजे तक तथा त्रि-स्तरीय पंचायतों में मतदान समय प्रातः 7-00 बजे से सांय 3-00 बजे तक निर्धारित है। नगरीय निकायों के निर्वाचन मतदान मशीन के माध्यम से तथा त्रि-स्तरीय पंचायतों हेतु मतदान मतपेटी के माध्यम से कराए जावेंगे। त्रि-स्तरीय पंचायतों मे मतदान पश्चात् सामान्य स्थिति में मतगणना भी मौके पर संपन्न होगा।

स्काईवॉक भाजपा के भ्रष्टाचार की निशानी उसकी जगह फ्लाई ओवर बनाएं : कांग्रेस

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि स्काई वॉक शहर की जनता की गले की हड्डी बन चुका है। रोज इसके पैनल गिर रहे है। राहगिरो की जान खतरे में पड़ती है। भाजपा सरकार अपनी जिद छोड़े शहर की जनता से माफी मांग कर स्काई वॉक को तोड़ दे, वहां फ्लाई ओवर बना दे जिसकी आज जरूरत है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि स्काईवॉक भाजपा की भ्रष्टाचार की स्मारक के रूप में छत्तीसगढ़ की जनता के सामने खड़ी है।

तत्कालीन भाजपा सरकार के द्वारा बिना किसी आवश्यकता के रायपुर शहर में एक स्काई वॉक बनाने का प्रोजेक्ट बनाया। जिसका कोई औचित्य या आवश्यकता ही नहीं थी। जनता द्वारा भी स्काई वॉक निर्माण के प्रोजेक्ट को लेकर तत्कालीन सरकार का विरोध किया गया था प्रश्न चिन्ह लगाया गया था। उक्त प्रोजेक्ट तत्कालीन भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार के जीते जागते उदाहरण के रूप में रायपुर में मौजूद है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा अपने 15 वर्ष शासन काल में जिस प्रकार से शासकीय धन का दुर्विनियोजन किया, भ्रष्टाचार किया उसका एक बहुत छोटा सा उदाहरण स्काईवॉक प्रोजेक्ट है जो दिन प्रतिदिन रायपुर की जनता को उनके साथ हुये विश्वघात, उपेक्षा और धोखाधड़ी की याद दिलाता है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राज्य सरकार अधूरे स्काईवॉक पर पैसा खर्च करने के बजाय आम जनता की मांग के अनुरूप फ्लाई ओवर बनाने की दिशा में आगे बढ़े।

वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांगों को 6 माह की पेंशन तत्काल दिया जाए

शहर सत्ता/रायपुर। वृद्धावस्था, विधवा,एवं दिव्यांगजनो को सामाजिक सुरक्षा पेंशन बीते 6 माह से पेंशन नही मिलने के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुये प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने की भाजपा सरकार में सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए19 लाख से अधिक हितग्राही बीते 6 माह से दफ्तर के चक्कर लगा रहे है।पेंशन के लिए सरकार हितग्राहियों को तरसा रही है।ये गरीब असहाय वर्ग के साथ अन्याय है।पेंशन नही मिलने के कारण इन्हें दवा पानी खाद्य सामग्री खरीदने में दिक्कत हो रही है।आखिर सरकार इन्हें 6 माह से पेंशन क्यों नही दे रही है?क्या इसी को सुशासन कहते है?क्या यही सबका साथ सब का विकास है।कांग्रेस मांग करती है पेंशनधारियों को बीते 6 माह का एक मुश्त तत्काल भुगतान किया जाये। बिजली के दाम,रसोई गैस, खाद्य सामग्री ,दवाई,साग सब्जी, सहित सभी जरूरत के सामानों के दाम में बेतहाशा वृद्धि हो गई है ऐसे में 500 रू में गुजरा कैसे होगा सरकार बताये?बढ़ती महंगाई को देखते हुए पेंशन की राशि 500 रु से बढ़ाकर दो हजार रु प्रतिमाह किया जाये। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार में वित्तीय व्यवस्था इतनी खराब हो गई है कि समय पर गरीब असहाय एवं दिव्यांगजनो को पेंशन नही मिल रहा है।सरकार हवा बाजी करने तिहार मना रही है।कर्ज पर कर्ज लिया जा रहा है ।लेकिन गरीब वर्गो को राशन,दवा पेंशन के लिए तरसना पड़ रहा है।सरकार अपनी नकामी पर पर्दा करने पेंशनधारियों के भुगतान के लिए केंद्र को जिम्मेदार ठहरा रही है।

'सुशासन तिहार' में बिगड़े बोल पर अपनों को भी दी नसीहत

डिप्टी सीएम का चौतरफा प्रहार: कहा- चुनाव से पहले ही रोने लगी कांग्रेस

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सियासत में इन दिनों बयानों के तीर सातवें आसमान पर हैं। नगर पंचायत उप-चुनाव की निष्पक्षता पर कांग्रेस द्वारा उठाए गए सवालों पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने करारा पलटवार किया है। डिप्टी सीएम ने तंज कसते हुए कहा कि वोटिंग से पहले ही धांधली का राग अलापना यह साफ करता है कि कांग्रेस अपनी करारी हार मान चुकी है। उन्होंने दो टूक कहा कि भाजपा का भरोसा प्रशासनिक मशीनरी से ज्यादा जनता जनार्दन पर है। न सिर्फ विपक्ष, बल्कि 'सुशासन तिहार' कार्यक्रम के दौरान कुछ भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों के बिगड़े बोल और आचरण पर भी डिप्टी सीएम ने कड़ा रुख अपनाते हुए अपनों को भी लक्ष्मण रेखा में रहने की हिदायत दे डाली है। धान शॉर्टेज (धान की कमी) को लेकर कांग्रेस द्वारा सरकार पर लगाए जा रहे भ्रष्टाचार के आरोपों पर अरुण साव ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, "जिस पार्टी का

अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल ही कोयला, शराब और गोबर घोटालों से सना रहा हो, उसे हर पारदर्शी व्यवस्था में भी सिर्फ घोटाला ही नजर आता है।" धान शॉर्टेज के मुद्दे पर उन्होंने साफ किया कि यह पूरी तरह जांच का विषय है। साय सरकार में किसी भी स्तर पर अनियमितता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जहां भी गड़बड़ी की प्रामाणिक शिकायत मिलेगी, वहां निष्पक्ष जांच होगी और दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'मुख्यमंत्री हेल्पलाइन' से सुशासन

राज्य में प्रशासनिक कसावट लाने और जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। 'मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर' की शुरुआत पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के लिए सुशासन सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस हेल्पलाइन की सबसे बड़ी खासियत इसका ट्रैकिंग सिस्टम है। आम जनता बिना किसी दफ्तर के चक्कर काटे या बिचौलियों के, सीधे अपनी शिकायत दर्ज करा सकेगी और यह भी देख सकेगी कि उसकी समस्या का समाधान किस स्तर पर अटका है।

महंत का पत्र रूटीन प्रक्रिया है

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत द्वारा आदिवासियों के जल-अधिकार को लेकर राष्ट्रपति को लिखे गए पत्र और वहां से आए जवाब पर अरुण साव ने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को उठाना नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी है। अगर उनके पत्र पर राष्ट्रपति सचिवालय से कोई जवाब आया है, तो यह देश की स्थापित संवैधानिक और प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है, इसे राजनीतिक जीत-हार के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। 'सुशासन तिहार' के मंचों पर कुछ नेताओं के बदले तेवर और विवादित व्यवहार पर अरुण साव ने बेहद सख्त लहजे में अपनी ही पार्टी और अन्य जनप्रतिनिधियों को चेताया। उन्होंने कहा, "जनप्रतिनिधि जनता के सेवक होते हैं, शासक नहीं। उनका आचरण, भाषा और व्यवहार हमेशा कानून व सामाजिक मर्यादा के दायरे में होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने दुर्ग जिले को दी 739 करोड़ 38 लाख के विकास कार्यों की सौगात

सुशासन तिहार के समाधान शिविर में मुख्यमंत्री ने कहा - जनता के बीच पहुंचकर सरकार दे रही अपने काम का रिपोर्ट कार्ड

2026
गाँव-गाँव, द्वार-द्वार
सुशासन की सरकार
जिला स्तरीय विशेष जन स
एवं 737 करोड़ के विकास
और लोकार्पण

रायपुर। सुशासन केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार का दायित्व है कि वह जनता के बीच जाकर अपने कार्यों का हिसाब दे, उनकी समस्याएं सुने और समाधान सुनिश्चित करे। इसी सोच के साथ राज्य सरकार सुशासन तिहार के माध्यम से आमजन के बीच पहुंचकर अपना रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज दुर्ग जिले के स्वर्गीय झाड़ूराम देवांगन शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान में आयोजित सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर दुर्ग जिले को 739 करोड़ 38 लाख रुपए की लागत के विकास कार्यों की सौगात देते हुए 251 लोककल्याणकारी कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 362 करोड़ 46 लाख रुपए की लागत के 98 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 376 करोड़ 92 लाख रुपए की लागत के 153 नए विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह परियोजनाएं दुर्ग जिले के विकास को नई दिशा देने के साथ नागरिकों के जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाएंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने दुर्ग में सर्वसुविधायुक्त संयुक्त जिला कार्यालय भवन के निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि बेहतर प्रशासनिक अधोसंरचना से नागरिक सेवाओं में और अधिक पारदर्शिता, दक्षता और सुविधा सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि एक मई से प्रदेश में सुशासन तिहार का आयोजन निरंतर जारी है और 10 जून तक राज्य के सभी 33 जिलों में यह अभियान संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में आयोजित समाधान शिविरों के माध्यम से न केवल समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है, बल्कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी सीधे उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समाधान शिविर परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया और कहा कि शासन अब कार्यालयों तक सीमित नहीं, बल्कि जनता तक पहुंचकर सेवा देने की दिशा में कार्य कर रहा है। शिविर में युवाओं के ड्राइविंग लाइसेंस, मत्स्यपालकों को जाल वितरण, आयुष्मान कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, महिला समूहों को प्रोत्साहन, छात्रवृत्ति, आवास स्वीकृति और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारी सुशासन सरकार ने राज्य में 18 लाख गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने का निर्णय लिया था और खुशी की बात है कि सभी स्वीकृतियां जारी कर दी गई हैं। अब शीघ्र ही सभी आवासों का निर्माण पूरा कर हितग्राहियों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने मातृशक्ति के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना लागू की है, जिसके तहत माताओं और बहनों के खातों में प्रतिमाह एक-एक हजार रुपए की राशि अंतरित की जा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का आर्थिक आत्मविश्वास परिवार और समाज दोनों को मजबूत करता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण छत्तीसगढ़ लंबे समय से झेल रहे नक्सलवाद के दंश से निर्णायक रूप से बाहर निकल रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर अब विकास, विश्वास और नए अवसरों की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने नेतानार में स्थापित सेवा डेरा का उल्लेख करते हुए बताया कि वहां ग्रामीणों और आदिवासियों को इमली प्रसंस्करण, ढेकी चावल, सिलाई और अन्य आजीविका आधारित गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मोर जमीन
मोर मकान
नगर पालिक निगम कोरबा (छ.ग.)

जरूरतमंद परिवार को मिला नया आशियाना

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन तिहार केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनकल्याण, संवेदनशील शासन और त्वरित समस्या समाधान का सशक्त माध्यम बन रहा है। सुशासन तिहार के माध्यम से लोगों की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान हो रहा है, जिससे नागरिकों में शासन के प्रति विश्वास और अपनत्व की भावना और अधिक मजबूत हुई है। इसी कड़ी में कोरबा शहर के तुलसी नगर निवासी श्री रामप्रवेश गुप्ता, पिता श्री मिश्री लाल गुप्ता, जो एक होटल में मिठाई मिस्त्री के रूप में कार्य करते हैं, को भी सुशासन तिहार के माध्यम से बड़ी राहत मिली। तीन बच्चों के साथ उनका परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में निवास कर रहा था, जहां बारिश के दिनों में पानी रिसने, सीमित जगह और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता था। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर, पानी टंकी टीपी नगर में उन्हें उनके नए आवास की चाबी सौंपी गई। वर्षों से अपने पक्के घर का सपना संजोए श्री गुप्ता के लिए यह क्षण बेहद भावुक और यादगार रहा। नए आवास की चाबी प्राप्त करते ही उनके चेहरे पर संतोष, खुशी और भविष्य के प्रति नया विश्वास साफ झलकने लगा। उन्होंने शासन की इस पहल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनका परिवार सुरक्षित और बेहतर वातावरण में जीवन यापन कर सकेगा। सुशासन तिहार के माध्यम से मिला यह लाभ न केवल उनके आवास संबंधी समस्या का समाधान है।

किसान सोहन सिंह को मिला किसान क्रेडिट कार्ड, खेती के लिए बढ़ा आत्मविश्वास

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार 2026 ग्रामीणों, किसानों और जरूरतमंदों के लिए राहत और सुविधा का प्रभावी माध्यम बन रहा है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अब सीधे गांव स्तर पर पहुंच रहा है, जिससे लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले के ग्राम बरगांव डूमरटोली निवासी किसान श्री सोहन सिंह को ग्राम बोकी में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) प्रदान किया गया। किसान क्रेडिट कार्ड मिलने से वे बेहद प्रसन्न हैं और इसे अपनी कृषि गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण सहायता मानते हैं। श्री सोहन सिंह ने बताया कि खेती-किसानी के दौरान खाद, बीज, कीटनाशक एवं अन्य कृषि सामग्री की व्यवस्था के लिए अक्सर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

सुशासन तिहार से मछुआरों के जीवन में आई समृद्धि की नई लहर

प्रदेश में सुशासन तिहार आमजन की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ ग्रामीणों के जीवन में आर्थिक बदलाव और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनता जा रहा है। बलरामपुर जिले के ग्राम बाहरचूरा के मछुआरों की सफलता इसकी प्रेरक मिसाल है। शासन की मत्स्य पालन प्रसार योजना के तहत मिली सहायता से अब ग्रामीण मछुआरे अपनी मेहनत का पूरा लाभ स्वयं प्राप्त कर सकेंगे। जिले के विजयनगर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम बाहरचूरा निवासी श्री संजय सिंह सहित 6 हितग्राहियों को उन्नत मत्स्य जाल एवं आईसबॉक्स प्रदान किए गए। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने हितग्राहियों को सामग्री वितरित कर उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दीं। ग्राम बाहरचूरा की गंगा मछुआ सहकारी समिति से जुड़े 11 परिवार वर्षों से मत्स्य पालन के माध्यम से आजीविका चला रहे हैं। समिति के पास लगभग 29 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले दो बड़े जलाशय हैं, जहां मत्स्य उत्पादन किया जाता है।

सुशासन तिहार बना दिव्यांग खोमीन के आत्मनिर्भर जीवन की नई राह

शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं तभी सार्थक सिद्ध होती हैं, जब उनका लाभ अंतिम छोर के जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचे और उनके जीवन में वास्तविक बदलाव आए। सुशासन तिहार 2026 के माध्यम से ऐसा ही एक प्रेरणादायी परिवर्तन मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में देखने को मिला है, जहां एक दिव्यांग महिला के जीवन को नई गति जब उन्हें एक ट्राइसाइकिल प्रदान की गई। जिले के विकासखंड अंबागढ़ चौकी अंतर्गत ग्राम हांडीटोला की निवासी खोमीन कल्लो बौनापन (ड्वार्फिज्म) से प्रभावित हैं। इस कारण उन्हें दैनिक गतिविधियों और आवागमन में लंबे समय से भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। घर के सामान्य कार्यों से लेकर किसी सामाजिक या पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने तक के लिए वे पूरी तरह दूसरों पर निर्भर थीं। सुशासन तिहार 2026 के दौरान ग्राम हांडीटोला में आयोजित समाधान शिविर उनके जीवन में उम्मीद की नई किरण लेकर आया। शिविर में जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग द्वारा उनकी समस्या को संवेदनशीलता से सुना गया। विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उनकी ट्राइसाइकिल मिलने के बाद खोमीन कल्लो के जीवन की राह आसान हो गई है। अब वे अपने दैनिक कार्य स्वयं करने लगी हैं और आसपास के क्षेत्रों में आने-जाने के लिए उन्हें किसी अन्य व्यक्ति की मदद की आवश्यकता नहीं पड़ती। इस सहायता ने न केवल उनकी शारीरिक बाधा को दूर किया है, बल्कि उनके भीतर एक नया आत्मविश्वास भी जगाया है।

सलमान के 'काला हिरण' कांड पर बनी फिल्म

लॉरेंस बिश्नोई से दुश्मनी से लेकर कोर्ट रूम ड्रामा तक की दिखेगी झलक

सुपरस्टार सलमान खान की जिंदगी का सबसे बड़ा विवाद; ब्लैकबक केस की कहानी अब बड़े पर्दे पर नजर आने वाली है। इस विवाद पर एक फिल्म का ऐलान हुआ है जिसका नाम 'काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसी' है। फिल्म के निर्माता हैं अमित जानी जो अपनी पिछली विवादित फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' को लेकर चर्चित हैं। उन्होंने अपनी नई फिल्म 'काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसी' का ऐलान करते हुए बताया कि यह फिल्म अभिनेता सलमान खान से के ब्लैकबक शिकार मामले और गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के साथ उनके विवाद के मुद्दे पर आधारित होगी।

सोशल मीडिया पर छाया पोस्टर

हाल ही में अमित जानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फिल्म का पहला पोस्टर साझा करते हुए इसकी आधिकारिक घोषणा की।

1998 के चर्चित ब्लैकबक केस पर आधारित होगी कहानी

मीडिया से बातचीत के दौरान अमित जानी ने बताया कि फिल्म की कहानी वर्ष 1998 में राजस्थान के जोधपुर के कांकाणी गांव में हुए ब्लैकबक शिकार मामले के इर्द-गिर्द घूमती है। उनके अनुसार, फिल्म में उस समय की घटनाओं, कानूनी लड़ाई, गिरफ्तारी, अदालती कार्यवाही और इसके बाद पैदा हुए विवादों को सिनेमाई अंदाज में पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि फिल्म में उस दौर के कई पहलुओं को दिखाया जाएगा, जिसमें सलमान खान के साथ शूटिंग के दौरान मौजूद अन्य कलाकारों और पूरे मामले के बाद की परिस्थितियों को भी शामिल किया गया है। निर्माता के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग उत्तर प्रदेश के संभल, मुरादाबाद और अन्य स्थानों पर की गई है। फिल्म को क्राइम, कोर्टरूम ड्रामा और थ्रिलर के मिश्रण के रूप में तैयार किया गया है, ताकि दर्शकों को घटनाक्रम का विस्तृत चित्रण देखने को मिले।

इस दिन रिलीज होगा टीज़र

अमित जानी ने जानकारी दी कि फिल्म का पहला टीज़र 20 जून 2026 को जारी किया जाएगा। पोस्टर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं और दर्शकों में इसके विषय को लेकर उत्सुकता देखी जा रही है। फिलहाल फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। खास तौर पर यह रहस्य बरकरार है कि फिल्म में सलमान खान से प्रेरित किरदार को कौन अभिनेता निभाने वाला है।

मिस्ट्री मैन के साथ नजर आई क्रिस्टल डिसूजा?

टीवी और फिल्म अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूज़ा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनकी एक सोशल मीडिया पोस्ट ने फैंस के बीच नई चर्चा छेड़ दी है। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह एक शख्स के साथ नजर आ रही हैं। हालांकि, उन्होंने उस व्यक्ति का चेहरा नहीं दिखाया। सामने आई तस्वीर में क्रिस्टल किसी खास इंसान का हाथ थामे दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कैमरे की ओर पोज दिया, जबकि साथ मौजूद व्यक्ति का चेहरा पूरी तरह छिपा हुआ था। फोटो में दोनों के बीच की नजदीकी ने फैंस का ध्यान खींच लिया है। तस्वीर के साथ क्रिस्टल ने दिल और नजर से बचाने वाले इमोजी भी शेयर किए। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोग अलग-अलग कयास लगाने लगे। कई यूजर्स का मानना है कि एक्ट्रेस ने अपनी लव लाइफ को लेकर इशारा किया है, हालांकि उन्होंने इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। पिछले कुछ समय से क्रिस्टल डिसूज़ा का नाम दुबई के बिजनेसमैन एपी के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को लेकर चर्चा तब शुरू हुई थी, जब एक पार्टी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में दोनों के बीच अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली थी। एपी दुबई के एक बिजनेसमैन बताए जाते हैं। वह लग्जरी कार कारोबार से जुड़े हैं और सोशल मीडिया पर भी काफी लोकप्रिय हैं।

सामंथा संग तलाक के 4 साल बाद फूटा नागा चैतन्य का गुस्सा

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता नागा चैतन्य एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वजह उनकी निजी जिंदगी नहीं, बल्कि उनके नाम और पहचान के कथित गलत इस्तेमाल से जुड़ा मामला है। अभिनेता ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख करते हुए शिकायत की कि इंटरनेट पर उनके बारे में भ्रामक और मानहानिकारक सामग्री फैलाई जा रही है।

क्यों पहुंचे हाई कोर्ट?

नागा चैतन्य ने अदालत में दायर याचिका में कहा कि कई वेबसाइट्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उनकी अनुमति के बिना उनके नाम, तस्वीर और पहचान का इस्तेमाल कर रहे हैं। अभिनेता का आरोप है कि कुछ ऑनलाइन कंटेंट में उनके बारे में झूठे और अपमानजनक दावे किए जा रहे हैं, जिससे उनकी छवि प्रभावित हो रही है। याचिका में उन खबरों और वीडियो का भी जिक्र किया गया, जिनमें दावा किया गया था कि नागा चैतन्य ने अपनी पूर्व पत्नी सामंथा रूथ प्रभु को धोखा दिया था या उनके करियर को नुकसान पहुंचाया था। अभिनेता ने इन आरोपों को आधारहीन बताते हुए ऐसे कंटेंट पर रोक लगाने की मांग की।

कोर्ट ने दिया अंतरिम संरक्षण

मामले की सुनवाई के बाद दिल्ली हाई कोर्ट ने नागा चैतन्य को अंतरिम राहत प्रदान की। अदालत ने उन ऑनलाइन पोस्ट, वीडियो और अन्य सामग्री को हटाने का निर्देश दिया है जो उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। कोर्ट ने एआई और डीपफेक तकनीक के जरिए बनाए गए आपत्तिजनक कंटेंट पर भी चिंता जताई।

तलाक पर पहले भी दे चुके हैं सफाई

गौरतलब है कि नागा चैतन्य और सामंथा रुथ प्रभु ने साल 2021 में अलग होने का फैसला किया था। तलाक के बाद दोनों को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई गईं। हालांकि, एक इंटरव्यू में नागा चैतन्य ने कहा था कि दोनों एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं।

'ऑब्सेशन' ने रचा इतिहास, छोटे बजट की फिल्म ने कमाए 100 मिलियन डॉलर

हॉरर फिल्मों की अपनी एक अलग फैन फॉलोइंग होती है. फैंस हॉरर फिल्मों को बहुत शौक से देखते हैं. अब अमेरिकन हॉरर फिल्म 'ऑब्सेशन' बॉक्स ऑफिस पर धमाल कर रही है. कोईमोई के मुताबिक, फिल्म 1 मिलियन डॉलर से भी कम बजट में बनी है. आर रेटेड फिल्म को नॉर्थ अमेरिका में भी शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. करी बार्कर की फिल्म ने तीसरे शुक्रवार को घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 8.2 मिलियन का कलेक्शन किया. हॉरर फिल्मों के इतिहास में ये तीसरे शुक्रवार का दूसरा सबसे बड़ा कलेक्शन है. पिछले शुक्रवार के मुकाबले 35 परसेंट की बढ़ोतरी हुई.

फिल्म की शानदार कमाई को देखते हुए डिस्ट्रिब्यूटर ने 125 थिएटर एड किए. फिल्म अभी 2780 थिएटर पर चल रही है. फिल्म ने नॉर्थ अमेरिका में 86.5 मिलियन डॉलर कमा लिए हैं. अब फिल्म 100 मिलियन डॉलर कमाने की तरफ बढ़ रही है.दुनियाभर में फिल्म जबरदस्त कमाई कर रही है. बॉक्स ऑफिस मोजो की रिपोर्ट के मुताबिक, आर रेटेड फिल्म ने इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर 22.3 मिलियन डॉलर की कमाई की. फिल्म ने वर्ल्डवाइड 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई कर ली है. फिल्म का टोटल कलेक्शन 108.7 मिलियन डॉलर का कलेक्शन कर लिया है. ये इस साल की सबसे ज्यादा सक्सेसफउल फिल्मों में से एक बन गई है.

फिल्म का घरेलू बॉक्स ऑफिस- 86.5 मिलियन डॉलर
इंटरनेशनल- 22.2 मिलियन डॉलर
वर्ल्डवाइड 108.7 मिलियन डॉलर

बता दें कि फिल्म 0.75 मिलियन डॉलर से 1 मिलियन डॉलर तक के बजट में बनी है. फिल्म ने 109-145 गुना मुनाफा कमाया. फिल्म ने नॉर्थ अमेरिका बॉक्स ऑफिस पर अपने तीसरे तीन-दिवसीय वीकेंड में 26 मिलियन डॉलर से 30 मिलियन डॉलर के बीच कमाने की राह पर है.

शमिता ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

अभिनेत्री शमिता शेट्टी ने अपनी उम्र और अविवाहित होने को लेकर ऑनलाइन ट्रोल करने वालों को करारा जवाब दिया है। 47 वर्षीय अभिनेत्री को हाल ही में एक असंवेदनशील टिप्पणी का सामना करना पड़ा जिसमें उनसे पूछा गया था कि वह अभी तक अविवाहित क्यों हैं, और उन्होंने सोशल मीडिया पर इसका करारा जवाब दिया। एक कमेंट में लिखा था, "आपकी उम्र हो गई है, पहले वाली बात नहीं रही।" इस पर अभिनेता ने लिखा, "हां, मैं अलग दिखूंगा... समय के साथ चीजें बदलती हैं, यह जीवन का स्वाभाविक नियम है... कुछ भी हमेशा के लिए नहीं रहता, शारीरिक बनावट भी नहीं! लेकिन अपनी उम्र के हिसाब से मैं स्वस्थ, तंदुरुस्त और खुश हूं, और ईश्वर ने मुझे जो कुछ भी दिया है, उसके लिए मैं दिल से आभारी हूं... और मेरे लिए बस यही मायने रखता है।" यूजर ने शमिता से यह भी कहा, "अगर शादी समय पर कर लेती तो आपके बच्चे आज बड़े हो गए होते," और जवाब में शमिता ने लिखा, "तो? हाँ, आपने तो स्पष्ट बात कह दी... तो क्या? आपने शादी करके क्या उखाड़ लिया है भाई?”

अंचल में नौतपा का महत्व

डा. ज्योति किरण चंद्राकर

हर वर्ष नौतपा नौ दिनों तक रहता है। नौतपा इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इस अवधि पर सूर्य की किरणें पृथ्वी पर सीधी पड़ती है। जिससे पृथ्वी का ताप बहुत बढ़ जाता है। और गर्म लू वाली हवाएं चलने लगती है, जिससे सड़कें तवे के समान तपने लगती है। इसी आशय से इस समय काल को नौतपा कहा जाता है।

प्राचीन मान्यता के अनुसार माना जाता है कि जितना ज्यादा नौतपा का तापमान रहता है बारिश भी उतनी ज्यादा होने की संभावना रहती है। नौतपा केवल भीषण गर्मी का ही संकेत नहीं देता, बल्कि यह जल संकट, जनजीवन, कृषि, जलवायु व ग्रामीण जीवन से गहरा संबंध दर्शाता है। यहां के किसान और ग्रामीण जीवन में नौतपा को विशेष महत्व देते हैं। इसे पारंपरिक कृषि से जोड़कर देखा जाता है। इस दौरान अधिक गर्मी होने पर अधिक फसल होने की संभावना व्यक्त की जाती है। इसके साथ ही नौतपा में ताप बढ़ने से धरती के अंदर जो कीटाणु, जीवाणु रहते हैं वह खत्म हो जाते हैं जिससे फसल नुकसान होने से बच जाते हैं। नौतपा में यदि बारिश या नमी हो जाए, तो किसान इसे अच्छे उत्पादन के लिए शुभ संकेत नहीं मानते। इस तरह किसानों के लिए नौतपा का अपना अलग महत्व है।

जन जागरण के लिए जीवन को समर्पित करने वाली महिला थी राजमोहिनी देवी

छत्तीसगढ़ तमाम सम्पन्नताओं के बावजूद पिछड़ेपन के अभिशाप से जकड़ा रहा है, विशेष रूप से दूरस्थ आदिवासी अंचल बस्तर और सरगुजा अत्यंत पिछड़े हैं। हालात चाहे जैसे भी रहे हों, यहां क्रान्तिकारी बदलाव आश्चर्य का कारण बन गया। बदलाव का माध्यम बनी गोंड महिला जिसे हम आज श्रद्धा से पद्मश्री राजमोहिनी देवी के नाम से जानते हैं। नाम से भले ही वह राजपरिवार की लगती हों पर वनवासी वन और खेती पर जीवन बिताने वाली महिला थी। सरगुजा अंचल के छोटे से गांव शरदापुर में वीरसाय गोंड के घर में सबसे छोटी संतान के रूप मे इनका जन्म हुआ। राजमोहिनी का प्रारंभिक नाम रजमन था। आपके गांव से काफ़ी दूर प्रतापपुर में पांचवी तक पढ़ाई की व्यवस्था होने के कारण पांचवी तक आपकी शिक्षा हो सकी। 14 वर्ष की उम्र में छोटे किसान के यहां आपका विवाह भी हो गया। आपने जन जागरण के लिए कठिन तपस्या और मौन साधना की। इस घटना के बाद राजमोहिनी देवी आपको नाम मिला।

1963-64 में दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय नशाबंदी परिषद के सम्मेलन में आपको व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। सम्मेलन में लालबहादुर शास्त्री और मोरारजी देसाई भी उपस्थित थे। आप लोगों ने राज मोहिनी के कार्यो की काफी सराहना की। राजमोहिनी वापस आने पर शराबबंदी आंदोलन को और तेज कर दी। 1965 में जिला मुख्यालय अंबिकापुर में कलेक्टरेट के सामने हजारों लोगों के साथ धरने पर बैठ गई। प्रशासन को न केवल झुकना पड़ा बल्कि खुलेआम शराब बनाने और पीने पर भी प्रतिबंध लगाना पड़ा। 1958 में वे संत विनोबा भावे के सर्वोदय आंदोलन में सक्रिय हो गई। सैकड़ों एकड़ जमीन भूदान में आपने प्राप्त की। 9 जुलाई 1858 को उन्होंने सरगुजा सर्वोदय समिति के माध्यम से 23 आश्रमों की स्थापना की। इसके साथ ही अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं का संचालन भी आपने किया। लगातार कार्य करते अचानक स्वास्थ्य कारणों से रायपुर के अम्बेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसमें सुधार नहीं आया और 6 जनवरी 1994 को उनका स्वर्गवास हो गया।

आज भी लगाए जाते हैं गांव में चरवाहा

'पवन यादव 'पहुना'

भारत भूमि कृषि और ऋषि संस्कृति के लिए जाना जाता है। जहां कृषि है वहां पशुओं की हमेशा जरूरत बनी रहती है, यह अलग बात है। वर्तमान में आधुनिक खेती यंत्रों की वजह से मशीनों ने इसका जगह ले लिया है। इसके बावजूद हर किसान गांव में गाय पालन करते हैं। इसके लिए एक चराने वाला चरवाहे की भी जरूरत पड़ती है। गांव में सभी किसान मिलकर यादव जाति के व्यक्ति को चरवाहा नियुक्त करते हैं। किसानों द्वारा सम्मान के साथ उनको बरधिया, पहाटीया नाम से संबोधित करते हैं। यह मालिक और चरवाहा के बीच आपसी समरसता बढ़ाने का प्रतीक है। खेती किसानी के दिनों में मालिक के गाव को रोज गांव के बाहर चराने के लिए ले जाते हैं, जिससे उनके फसलों की रक्षा हो जाती है। (अक्ति) अक्षय तृतीया के दिन यादव जाति व्यक्ति को ग्रामीणों द्वारा पशुओं को चराने के लिए नियुक्त किया जाता है। उनका काम जेठ में धान बोने के समय प्रारंभ होता है जो फागुन महीने में (मार्च) के आसपास पूर्ण होता है। उनके परिश्रम के बदले उनको साल में एक बार अपने घर के (काठा) में नाप कर धान दिया जाता है। प्रति एकड़ या प्रति जानवर के हिसाब से उनके साल भर का परिश्रम का मजदूरी होता है। साथ में तीन दिन में चौथे दिन किसानों के घर के गाय को दूध निकालने के बदले हर चौथे दिन चरवाहा दूध स्वयं रखता है। जिसे (बरवही) कहा जाता है, यह परंपरा छत्तीसगढ़ के हर गांव में सदियों से चली आ रही है।

परगने का रक्षा करते हैं परगनिया बाबा

डा. राजेश पांडे

छत्तीसगढ़ राज्य के हृदय स्थल न्यायधानी बिलासपुर जिले के मस्तूरी जनपद पंचायत मल्हार है। नगर पंचायत के अंतिम छोर पर परगनिया बाबा का मंदिर है। लाल रंग में खड़े रूप में प्रतिमा की ऊंचाई 15 फीट है। यह प्रतिमा जैन धर्म के 24 जैन तीर्थंकरों में एक भगवान महावीर स्वामी की है जो पूरे छत्तीसगढ़ में सबसे बड़ी जैन प्रतिमा है। मंदिर की विशेषता है कि दोनों नवरात्रि पर तेल और घी का दीपक प्रज्वलित होता है। यह प्रतिमा दसवीं से 11वीं शताब्दी के आसपास के है जो कायोत्सर्जन मुद्रा में है। इस विषय में नगर के वरिष्ठ नागरिक बसंत पांडे बतलाते हैं कि पूर्व काल मल ग्राम के रक्षा हेतु ग्राम रक्षक देवता जैसे ठाकुरदेव, सिद्धबाबा गोरैया बाबा, ओंगनपाठ, कुरुपाठ बरमबाबा और कालभैरव आदि अनेक नाम से ग्राम देवता होते हैं जो परगनी सीमा का रक्षा करते हैं परगनिया बाबा सीमा के अंतिम छोर पर होने के कारण इसका नाम परगनिया पड़ा है। शादी विवाह होने पर पहले दूल्हा दुल्हन को इसी मंदिर में लाते थे फिर घर वाले यहां से दुल्हन को परघा कर ले जाते हैं। मल्हारगढ़ में ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी से लेकर विभिन्न कालों के जैन धर्म बौद्ध हिंदू धर्म का बहुत प्राचीन मूर्तियों का विशाल संग्रह है।

छत्तीसगढ़ अंचल में पखावज वादन की परंपरा

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ दरबार में पखावज और तबला वादन की दीर्घ परंपरा रही है। राजा घनश्याम सिंह, राजा भूपदेव सिंह के पिता स्वयं एक अच्छे पखावजी थे। इनके पुत्र लाल नारायण सिंह और पीन पाल सिंह को तबले की शिक्षा के लिए बनारस भेजा गया था। राजा भूपदेव सिंह के दरबार में ठाकुर लक्ष्मण सिंह जैसे श्रेष्ठ पखावजी थे। रायगढ़ दरबार में मृदंग और तबला के अच्छे वादकों का लगातार आगमन एक सदी पूर्व से होता आ रहा है। यह कला के प्रति प्रेम और आकर्षण निरंतर बढ़ता गया और राजा साहब के शासन काल उसका उत्कर्ष चरम पर था। राजा चक्रधर सिंह के दरबार में ठाकुर दास जी, शम्भू महाराज, पंडित रामदास, बासुदेव पखावजी, कादिर बख्श खां, उस्ताद नत्थू खां और बाबा मलंख खां आदि उस्ताद लम्बे समय तक रहे।

पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी, समाज को दिशा देने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण : सीएम साय

पत्रकारिता ने राष्ट्र निर्माण और सामाजिक परिवर्तन में निभाई ऐतिहासिक भूमिका

शहर सत्ता/रायपुर। पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी हैं, जो कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर परिश्रम करते हुए सूचनाओं को जन-जन तक पहुंचाते हैं और समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मीडिया की सकारात्मक आलोचना केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि प्रशासन और सरकार को भी आत्ममंथन और बेहतर कार्य की दिशा प्रदान करती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर परिसर के सुंदर सदन में आयोजित पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही। यह आयोजन हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित किया गया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि माता कौशल्या की धरती और भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता की गौरवशाली परंपरा पर आधारित ऐसा अद्भुत आयोजन निश्चित रूप से अभिनंदनीय है। उन्होंने आयोजन के लिए रायपुर प्रेस क्लब को बधाई देते हुए कहा कि रायपुर प्रेस क्लब देश के पुराने और प्रतिष्ठित प्रेस क्लबों में से एक है, जिसका इतिहास समृद्ध और प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और पत्रकारों के सम्मान में आयोजित ऐसे कार्यक्रम प्रेस क्लब की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता का सशक्त प्रमाण हैं।

मुख्यमंत्री साय ने रायपुर की पत्रकारिता परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस शहर ने पत्रकारिता जगत को अनेक शिखर पुरुष दिए हैं। उन्होंने मधुकर खेर, मायाराम सुरजन, ललित सुरजन, रमेश नैय्यर और बबन प्रसाद मिश्र सहित अनेक प्रतिष्ठित संपादकों और पत्रकारों का स्मरण करते हुए कहा कि इन विभूतियों ने पत्रकारिता की सशक्त और वैचारिक परंपरा को समृद्ध किया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र की आधारशिला है और देश के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तक पत्रकारिता ने हमेशा परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 30 मई 1826 को कोलकाता से श्री जुगल किशोर शुक्ल द्वारा प्रकाशित देश के प्रथम हिंदी समाचार पत्र उदंत मार्तंड ने भारतीय पत्रकारिता की मजबूत नींव रखी। हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्षों की यह गौरवशाली यात्रा देशवासियों के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने भारतीय सनातन परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि देवर्षि नारद को आदि पत्रकार माना जाता है और इसी कारण पत्रकार बंधु नारद जयंती को सम्मानपूर्वक मनाते हैं।

उन्होंने कहा कि यह अत्यंत रोचक और प्रेरक तथ्य है कि उदंत मार्तंड का प्रकाशन भी नारद जयंती के दिन आरंभ हुआ, जो इस बात का प्रतीक है कि भारतीय पत्रकारिता की जड़ें हमारी सांस्कृतिक चेतना और सनातन मूल्यों से गहराई से जुड़ी रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय पत्रकारिता ने राष्ट्रवादी चेतना को स्वर देने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है।

रायपुर प्रेस क्लब का आयोजन
हिंदी पत्रकारिता के 200 साल
पत्रकारिता गौरव मार्तण्ड उत्सव

रायपुर प्रेस क्लब ने मनाया "पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव"

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया टेलीफोन डायरेक्टरी का विमोचन

रायपुर। हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब द्वारा शनिवार को "पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव" का भव्य आयोजन किया गया। दिनभर चले विभिन्न सत्रों में पत्रकारिता के इतिहास, वर्तमान चुनौतियों, नई मीडिया की भूमिका तथा पत्रकारिता के भविष्य पर गंभीर विमर्श हुआ। कार्यक्रम में प्रदेशभर के वरिष्ठ पत्रकारों, मीडिया शिक्षाविदों, जनप्रतिनिधियों और पत्रकार साथियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि "लोकतंत्र की मजबूती में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। पत्रकार समाज और शासन के बीच सेतु का कार्य करते हैं। राज्य सरकार पत्रकारों के हितों और उनकी सुरक्षा को लेकर संवेदनशील है तथा भविष्य में और बेहतर पहल की जाएगी।"इंडिया हेरिटेज सेंटर के निर्देश के. जी. सुरेश ने हिंदी पत्रकारिता की दो शताब्दियों की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि "हिंदी पत्रकारिता ने सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय जागरण को दिशा दी है। बदलते समय में तकनीक भले बदल जाए, लेकिन पत्रकारिता का मूल धर्म जनहित और सत्य की स्थापना ही है।" वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि "सूचना क्रांति के इस दौर में पत्रकारों की जिम्मेदारी पहले से अधिक बढ़ गई है। समाज को सही दिशा देने में मीडिया की भूमिका निर्णायक है।"इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रायपुर प्रेस क्लब की टेलीफोन डायरेक्टरी का विमोचन भी किया। इस डायरेक्टरी में रायपुर प्रेस क्लब के सदस्यों एवं पत्रकारिता जगत से जुड़े महत्वपूर्ण संपर्कों को संकलित किया गया है, जो पत्रकारों के लिए उपयोगी संदर्भ सामग्री के रूप में उपलब्ध रहेगी।

वर्षभर होंगे हिंदी पत्रकारिता द्विशताब्दी के आयोजन

कार्यक्रम के समापन अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, महासचिव गौरव शर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु तथा संयुक्त सचिव निवेदिता साहू एवं भूपेंद्र जांगड़े ने हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर पत्रकार जगत को शुभकामनाएं दीं। पदाधिकारियों ने घोषणा की कि हिंदी पत्रकारिता की द्विशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में वर्षभर विभिन्न विषयों पर व्याख्यानमाला, संवाद, सम्मान समारोह, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा पत्रकारिता से जुड़े विविध आयोजन किए जाएंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार , प्रशांत शर्मा, रामावतार तिवारी, बृजेश चौबे, राजेंद्र निगम , विजय मिश्रा, प्रदीप दुबे,अंशुमन शर्मा, संदीप पौराणिक, संतोष साहू, चंदन साहू, नीरज मिश्रा, संजीव सिन्हा, शंकर चंद्राकर,दीपक पांडे, विद्या भूषण, पवन ठाकुर, प्रदीप चंद्रवंशी, पुनीत सोनकर, संतोष साहू (जूनियर)सोनू कुमार,सोनल भारद्वाज, शुभम वर्मा रुमा सेनगुप्ता, रत्ना पांडेय सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पत्रकारों को लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान

कार्यक्रम के दौरान पत्रकारिता के क्षेत्र में दीर्घकालीन एवं उल्लेखनीय योगदान देने वाले 15 वरिष्ठ पत्रकारों को "जीवन पर्यंत पत्रकारिता सेवा सम्मान" से सम्मानित किया गया। सम्मानित पत्रकारों में शेषकरण जैन, बाबूलाल शर्मा, श्रीमती आशा शुक्ला, नरेन्द्र पारख, आसिफ इक़बाल, सुहास राजिमवाले, दिवाकर मुक्तिबोध, कौशल शर्मा, परमानंद वर्मा, राजेश शर्मा (बबलू भैया), ओ.पी.शर्मा, सनत चतुर्वेदी, कौशल मिश्रा, ठाकुर राम साहू तथा मोहसिन अली सुहैल शामिल रहे।

"पत्रकारिता : स्याही से स्क्रीन तक" विषय पर गंभीर विमर्श

दूसरे सत्र में "पत्रकारिता : स्याही से स्क्रीन तक – चुनौतियां और संभावनाएं" विषय पर चर्चा हुई। वरिष्ठ पत्रकार हर्षवर्धन त्रिपाठी, विजय मनोहर तिवारी, सुभाष मिश्रा एवं गिरीश पंकज ने अपने विचार रखे।विचारक एवं वरिष्ठ पत्रकार हर्षवर्धन त्रिपाठी ने कहा कि "तकनीक के विस्तार ने पत्रकारिता को नई गति दी है, लेकिन विश्वसनीयता और निष्पक्षता आज भी पत्रकारिता की सबसे बड़ी पूंजी है।" माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि "पत्रकारिता केवल सूचना देने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को विचार और दिशा देने की प्रक्रिया है। बदलती तकनीक के बीच पत्रकारिता के मूल मूल्यों को सुरक्षित रखना सबसे बड़ी चुनौती है।”

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.),
मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27